महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

दुःख और तकलीफ भगवान की बनाई हुई वह प्रयोगशाला है, जहां, आपकी काबिलियत और आत्मविश्वास को परखा जाता है

वर्ष : 16 अंक : 321 | उज्जैन, रविवार 03 मई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

प्रकृति अनुकूल स्थापत्य हमारे वास्तु का है आधार : मुख्यमंत्री

पर्यावरण अनुकूल निर्माण को प्रोत्साहित करना आवश्यक

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रकृति अनुकूल स्थापत्य हमारे वास्तु का आधार है। वर्तमान समय की बड़ी चुनौती यह है कि हम कंक्रीट के बढ़ते जंगलों और सिमटते प्राकृतिक संसाधनों के बीच खड़े हैं। पर्यावरण अनुकूल निर्माण को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। हमें गर्व होना चाहिए कि हम उस परंपरा के उत्तराधिकारी हैं जिन्होंने स्वस्थ नगर नियोजन के साथ जल संरक्षण के लिए विशाल इकोलॉजिकल सिस्टम बनाये। विद्वान, वास्तुकार राजा भोज द्वारा विकसित भोपाल इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। सौभाग्य का विषय है कि सस्टेनेबल फ्यूचर इनोवेशंस इन ग्रीन बिल्डिंग प्रैक्टिसेस जैसे विषय पर भोपाल में राष्ट्रीय सेमिनार हो रहा है। प्रदेश के ऐतिहासिक स्थल मांडव के जल प्रबंधन और नगर नियोजन को देखते हुए वहां भी इस प्रकार के आयोजन होने चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को ग्रीन बिल्डिंग तकनीक पर अखिल भारतीय सेमिनार और इंडियन बिल्डिंग कांग्रेस की 113 गवर्निंग कॉउंसिल मीटिंग के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। लोक निर्माण विभाग तथा इंडियन बिल्डिंग कांग्रेस, कार्यक्रम के आयोजक हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने शॉल-श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम वंदे-मातरम के गान के साथ आरंभ हुआ। इस अवसर पर आईबीसी इनोग्रल सॉन्ग और लोक निर्माण विभाग की परियोजना क्रियान्वयन इकाई की गतिविधियों पर लघु फिल्म की प्रस्तुति हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोक निर्माण विभाग की स्मारिका, न्यूज लेटर और आईबीसी की बिल्ट इन्वायरमेंट पत्रिका का विमोचन किया। उनकी उपस्थिति में आईआईटी इंदौर और लोक निर्माण विभाग के बीच निर्माण तकनीक पर केंद्रित एमओयू का आदान-प्रदान किया गया। दूसरा एमओयू लोक निर्माण विभाग तथा गृहा संस्था के साथ किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि राजा भोज ने भोज पत्रों पर लेख और निर्माण कार्यों के माध्यम से हमें प्राचीन भारतीय निर्माण परंपरा की अद्भुत सौगात दी है। राजा भोज ने प्रकृति के साथ प्रगति?की बात समरांगण सूत्रधार में स्पष्ट की थी। हमारे ग्रंथों में कहा गया है %यत् पिण्डे तत् ब्रह्माण्डे% अर्थात् जो शरीर में है वही ब्रह्मांड में है। ग्रीन बिल्डिंग, पृथ्वी-जल-अग्नि-वायु-आकाश तत्वों के समावेश से हमारे घरों को उसी ब्रह्मंडीय संतुलन में वापस लाने की एक प्रक्रिया है। हमारे प्राचीन ग्रंथ यह मानते हैं कि एक भवन में इन सब तत्वों का समावेश आवश्यक है। वर्तमान दौर में जीपीएस एक नई तकनीक है, लेकिन पृथ्वी का भौगोलिक केंद्र उज्जैन के पास डोंगला में है। यह प्राचीन काल से समय गणना का मुख्य केंद्र माना जाता है। तत्कालीन गणना की सटीकता इससे सिद्ध होती है कि वर्तमान में भी निश्चित तिथियों पर मौसम में बदलाव का अनुभव किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि तुंगभद्रा नदी के किनारे श्रृंगेरी में भी स्थापत्य कला का अद्भुद उदाहरण देखने को मिलते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्राचीन ज्ञान और परंपरा को मौजूदा दौर में विज्ञान के साथ जोड़ा है। आज आवश्यकता है कि हम प्रकृति से सीखें और उसके साथ आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राचीन वास्तुकला की विशेषताओं पर चर्चा करते हुए भोपाल के बड़े तालाब और उज्जैन में शिप्रा नदी के आस-पास की संरचनाओं का उल्लेख किया।

अधोसंरचना विकास में राशि का सदुपयोग सुनिश्चित करना आवश्यक- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विकास हमारी प्राथमिकता है, लेकिन अधोसंरचना विकास में राशि का सदुपयोग हो, इन बिन्दुओं के साथ ही हम ग्रीन बिल्डिंग तकनीक पर आगे बढ़ रहे हैं। प्रदेश में पर्यावरण अनुकूल निर्माण पर जोर दिया जा रहा है। ग्लोबल वॉर्मिंग आज अलार्मिंग हो चुकी है, यह मुख्य चुनौती बनकर सामने आई है। राज्य सरकार ने इस चुनौती का सामना करने में जन-जन की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गुढ़ी पड़वा से जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत की है। गंगा दशहरा 25 मई को इसके अंतर्गत प्रदेश में कुएं, बाबड़ियों और सभी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है। इसमें अधिक से अधिक जनसहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। प्रदेश में सभी ने जल संरचनाओं पर निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया है। मध्यप्रदेश जल संरक्षण कार्यों में देश में प्रथम स्थान पर है। जल संचयन में डिण्डौरी और खंडवा जिले देश में क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर रहे हैं।

लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में लोक निर्माण विभाग प्रदेश के बेहतर भविष्य के लिए नवाचारों के साथ अधोसंरचना विकास को गति प्रदान कर रहा है। प्रदेश में टिकाऊ निर्माण के लिए भारतीय प्राचीन निर्माण तकनीक पर हम आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वैदिक घड़ी को सराहा है। इस घड़ी के निर्माण का श्रेय मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जाता है। प्रदेश में बनने वाले सभी भवन अब ग्रीन बिल्डिंग तकनीक पर बनाए जा रहे हैं। लोक निर्माण विभाग ने अपने प्रशिक्षण कैलेंडर में ग्रीन बिल्डिंग तकनीक को शामिल किया है। प्रदेश में हाईवे और फ्लाईओवर्स को रेन वॉटर हार्वेस्टिंग तकनीक के साथ तैयार किया जा रहा है। मंत्री श्री सिंह ने विशेषज्ञों से आह्वान किया कि मध्यप्रदेश की विविध भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए कम लागत वाली ग्रीन बिल्डिंग तकनीकों का विकास किया जाए, जिससे आम नागरिक भी इनका लाभ प्राप्त कर सकें।

न्यूज ब्रीफ

देशभर में शिक्षकों के करीब 10 लाख पद खाली, शिक्षा मंत्रालय और संसदीय समिति के निर्देश के बावजूद नहीं हो रही भर्ती

नई दिल्ली/ जीएनएस। स्कूलों में शिक्षकों के पद को लंबे समय तक न भरना अब राज्यों को मंहगा पड़ सकता है। संसदीय समिति की सिफारिश पर गंभीर शिक्षा मंत्रालय अब ऐसे सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को समग्र शिक्षा के तहत दी जाने वाली वित्तीय मदद में कटौती या फिर रोक सकता है। फिलहाल देश में शिक्षकों के करीब दस लाख पद खाली है। इनमें करीब साढ़े सात लाख पद अकेले प्राथमिक स्तर के शिक्षकों के है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की अगुवाई वाली शिक्षा मंत्रालय की संसदीय समिति ने राज्यों को दी जाने वाली वित्तीय मदद में कटौती की यह सिफारिश तब की है, जब समिति अपनी 349वीं व 363वीं रिपोर्ट में स्कूलों में शिक्षकों के इन खाली पदों को समयबद्ध तरीके से भरने की बार-बार सिफारिश की। साथ ही शिक्षा मंत्रालय भी कई बार राज्यों से इन खाली पदों को भरने के लिए कह चुका है। बावजूद इसके राज्यों का रवैया जस का तस बना हुआ है। वह केंद्र से हर साल समग्र शिक्षा अभियान के तहत स्कूली को सशक्त बनाने के लिए वित्तीय मदद ले रहे है लेकिन शिक्षकों के पद खाली बने हुए है। समिति का मानना है कि स्कूलों में शिक्षकों के पदों का खाली होना और भरना वैसे तो एक सतत प्रक्रिया है लेकिन अधिकांश राज्यों में पिछले कई सालों से बड़ी संख्या में शिक्षकों के पद खाली बने हुए है। समिति ने राज्यों के इस रवैए को गंभीर बताया और मंत्रालय से सिफारिश की है, कि जब तक राज्य शिक्षकों के खाली पदों को नहीं भरते है तब तक उन्हें समग्र शिक्षा का पैसा नहीं दिया जाए। वित्तीय वर्ष 2025-26 में केंद्र सरकार ने शिक्षा मंत्रालय को समग्र शिक्षा के तहत 41,249 करोड़ रुपए आवंटित की थी। जो राज्यों को स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने के लिए दिया जाता है। मंत्रालय से जुड़े सूत्रों के मुताबिक संसदीय समिति की सिफारिश पर समग्र शिक्षा के तहत दी जाने वाली वित्तीय मदद की समीक्षा की जा रही है।

नाथू ला और लिपुलेख मार्ग से शुरू होगी कैलाश मानसरोवर की यात्रा, डिजिटल होगी पूरी प्रक्रिया

गंगटोक/ जीएनएस। सिक्किम से जुड़ने वाली भारत-चीन सीमा क्षेत्र में एक बार फिर 'हर-हर महादेव' के जयघोष गूंजने वाले हैं। लगातार दूसरी बार कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए केंद्र सरकार ने मंजूरी दी है। यात्रा 2026 में जून से अगस्त के बीच आयोजित की जाएगी। इस बार यात्रा सिक्किम के नाथु ला पास और उत्तराखंड के लिपुलेख पास मार्ग से संचालित होगी। भारत के विदेश मंत्रालय ने यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस वर्ष पूरी प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल बनाया गया है, जिसमें आवेदकों को केवल आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा। किसी भी प्रकार के कागजी दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी और सभी सूचनाएं आनलाइन ही उपलब्ध कराई जाएंगी। मंत्रालय के अनुसार, यात्रा के लिए कुल 20 दल (बैच) बनाए जाएंगे। इनमें से 10 दलों में 50-50 यात्री शामिल होंगे, जबकि शेष दल दूसरे मार्ग से यात्रा करेंगे। यह पूरी प्रक्रिया चीन सरकार के समन्वय से संपन्न होगी। सिक्किम के नाथू ला मार्ग से यात्रा करने में कुल 21 दिन का समय लगता है, जिसमें लगभग 11 दिन तिब्बतीय स्वयत्त क्षेत्र में बिताए जाते हैं। नाथू ला से आगे की यात्रा चीनी प्रशासन के अधीन होती है। यात्रियों की सुविधा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए 15वें और 17वें माइल पर ठहरने की व्यवस्था की जाती है। यह व्यवस्था यात्रियों को स्वास संबंधित समस्या ना हो इसी कारण किया जाता है। यात्रियों का चयन पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से कंप्यूटर आधारित रैंडम प्रक्रिया द्वारा किया जाएगा, जिसमें लैंगिक संतुलन का भी ध्यान रखा जाएगा।

गर्मी की छुट्टियों में विमान किराये के लिए ज्यादा ढीली करनी होगी जेब, एयरलाइंस ने बढ़ाए टिकट के दामं

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और विमान ईंधन यानी एटीएफ की कीमतों में भारी वृद्धि के कारण इस बार गर्मी की छुट्टियों (मई-जून) में घरेलू विमान किराये सामान्य से काफी महंगे हो सकते हैं।

स्कूल और कालेज की छुट्टियों के दौरान पर्यटन स्थलों जैसे गोवा, हिमाचल, कश्मीर और दक्षिण भारत की यात्रा करने वाले परिवारों और छात्रों को अब पहले से 25-30 प्रतिशत अधिक खर्च करना पड़ सकता है। इस बीच, उड्डयन कंपनियों द्वारा सरकार को भेजे गए त्राहिमाम पत्र पर विचार किया जा रहा है।

फेडरेशन आफ इंडियन एयरलाइंस (एफआइए), जिसमें एअर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट शामिल हैं, ने 26 अप्रैल को नागरिक उड्डयन मंत्रालय को पत्र लिखकर कहा था कि मौजूदा हालात में उनके लिए फ्लाइटें चलाना मुश्किल हो रहा है।

उन्होंने सरकार के समक्ष तीन प्रमुख मांगें रखी हैं- अक्टूबर 2022 वाला क्रैक बैंड मैकेनिज्म (तेल कंपनियों को एक सीमित स्तर पर एटीएफ की कीमत तय करने का फार्मूला) लागू किया जाए, 11 प्रतिशत की एक्साइज ड्यूटी को अस्थायी रूप से हटाया जाए और राज्य वैट कम करें। केंद्र केवल एक्साइज ड्यूटी में थोड़ी राहत दे सकता है, जबकि राज्यों को अपने स्तर पर कदम उठाने होंगे।मेकमाइट्रिप, क्लियरट्रिप, आइएक्सिगो और गूगल फ्लाइट्स जैसे प्रमुख प्लेटफार्मों पर दो मई की स्थिति देखें तो दिल्ली-मुंबई रूट पर सामान्य दिन में 4,000-6,000 रुपये के टिकट अब पीक डेट्स (मई मध्य से जून) पर 8,000-12,000 रुपये तक पहुंच गए हैं।

अंतिम समय में बुकिंग (24-48 घंटे पहले) पर किराया 15,000 रुपये से ऊपर जा रहा है जो आमतौर पर 6,500-9,000 रुपये के बीच था। यही हाल दिल्ली से बेंगलुरु और हैदराबाद रूट पर है जहां विमान किराया 20-40 प्रतिशत ज्यादा है। गर्मी की छुट्टियों वाले प्रसिद्ध स्थलों जैसे गोवा और कोच्चि की टिकटें दिल्ली से 50 प्रतिशत तक महंगी हो गई हैं।

ईरान युद्ध के बाद स्थिति काफी सामान्य होने के बावजूद दुबई और सिंगापुर के लिए विमानों का किराया फरवरी 2026 से पहले के मुकाबले 15 से 40 प्रतिशत तक महंगा है। विमान किराया बुकिंग करने वाले एप पर जो ट्रेंड है, वह यह दर्शाता है कि अभी किराया अधिक ही रहेगा और इसमें और वृद्धि संभव है।

उधर, विमानन कंपनियों के अधिकारियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उड़ानों को रद करने का सिलसिला जारी है, वहीं घरेलू उड़ानों के लिए उन्हें महंगे ईंधन खरीदने से कोई राहत नहीं मिली है। इस कारण विमान किराए में वृद्धि का ट्रेंड जारी रहेगा। एयरलाइंस पहले ही फ्यूल सरचार्ज लगा चुकी हैं, घरेलू उड़ानों पर 299 से 988 रुपये तक और अंतरराष्ट्रीय पर 2,200 से 26,000 रुपये तक।

प्रोफेसर जोसेफ की हथेली काटने के मामले में NIA कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली/ जीएनएस। कोच्चि की एक विशेष अदालत 15 मई को प्रोफेसर टी जे जोसेफ पर मुवत्तुपुझा में पीएफआइ कार्यकर्ताओं द्वारा हमला करने के मामले में मुख्य आरोपित के खिलाफ आरोप तय करने की कार्यवाही पूरी करेगी।

न्यायाधीश पी के मोहनदास ने 30 अप्रैल को आरोपित सवाद और शफीर सी के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद यह फैसला लिया।

जुलाई 2010 में एक समूह ने प्रोफेसर जोसेफ की दाहिनी हथेली काट दी थी, उन पर आरोप था कि उन्होंने तैयार किए गए प्रश्न पत्र में ईशनिंदा की थी। अदालत ने कहा, मामले से जुड़े दस्तावेजों और सबूतों की जांच करने और आरोपित के वकील और अभियोजक की दलीलें सुनने के बाद, मेरी राय है कि यह मानने के पर्याप्त आधार हैं कि उन्होंने दंडनीय अपराध किए हैं। दोनों के खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सबूत मौजूद हैं। अदालत ने निर्देश दिया कि सवाद को पेश किया जाए और शफीर, जो जमानत पर है, आरोप तय करने की प्रक्रिया के तहत अपना पक्ष रखने के लिए 15 मई को अदालत के समक्ष पेश हो।

कर्नाटक की श्रींगेरी सीट पर मतगणना समाप्त, कांग्रेस विधायक राजेगौड़ा फिर विजेता घोषित

नई दिल्ली/ जीएनएस। एक चर्चित घटनाक्रम में कांग्रेस विधायक टीडी राजेगौड़ा शनिवार को कर्नाटक के श्रींगेरी विधानसभा क्षेत्र में डाक मतपत्रों की पुनर्गणना में विजयी हुए।

हाई कोर्ट ने डाक मतपत्रों की पुनर्गणना का आदेश दिया था। प्रक्रिया पूरी होने के बाद राजेगौड़ा ने एक बार फिर जीत हासिल की है।राजेगौड़ा ने कहा कि हाई कोर्ट ने डाक मतपत्रों की पुनर्गणना का आदेश दिया था।

उन्होंने कहा, मैं सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकता था, लेकिन ऐसा नहीं किया, क्योंकि सच्चाई सामने लाना चाहता था। आज मैंने फिर से जीत हासिल की है और मेरे समर्थकों के पास जश्न मनाने का कारण है। मुझ पर लगातार आरोप लगाए गए, लेकिन सच्चाई की जीत हुई।

अंडमान में समंदर की गहराई में लहराया दुनिया का सबसे बड़ा तिरंगा, बना वर्ल्ड रिकॉर्ड

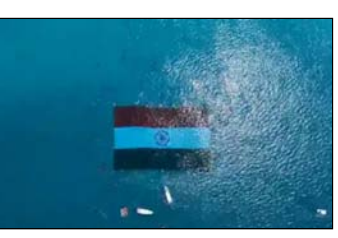

नई दिल्ली/ जीएनएस। अंडमान और निकोबार द्वीप ने शनिवार को इतिहास रचते हुए समंदर की गहराई में दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर नया गिनीज व?र्ल्ड रिकार्ड बना दिया।

राधानगर बीच पर 60म40 मीटर के विशाल तिरंगे को समुद्र के भीतर विशेष तकनीक और सटीक समन्वय के साथ फहराया गया। यह अनोखा कारनामा स्वराज द्वीप में प्रशिक्षित गोताखोरों और कई एजेंसियों की मदद से पूरा किया गया।

पानी के अंदर कैसे रखा गया तिरंगा- भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक पुलिस और वन विभाग की टीमों ने मिलकर इसे संभव बनाया। सुबह 10ः35 बजे गिनीज के जज ऋषि नाथ ने इस उपलब्धि की आधिकारिक पुष्टि की और प्रमाणपत्र सौंपा।

समुद्र के अंदर तिरंगे को खास वेटेड फ्रेम और रस्सियों की मदद से स्थिर रखा गया, ताकि वह पानी के बहाव में संतुलित रहकर पूरी तरह फैल सके और लहराता हुआ दिखाई दे।

युवाओं को कुशल और रोजगार योग्य बनाने वाली योजना की गति धीमी, NAPS में नहीं हो रहे एनरोल

नई दिल्ली/ जीएनएस। दुनियाभर में जिस तरह से कुशल कामगारों की मांग तेजी से बढ़ी है, ऐसे में सर्वाधिक युवा आबादी वाले भारत के लिए अधिक संभावनाएं देखी जाती हैं।

इसी आधार पर अन्य कौशल विकास योजनाओं के साथ केंद्र सरकार का जोर शिक्षुता यानी एप्रेंटिसशिप पर भी है, ताकि युवा पढ़ाई के साथ-साथ व्यावहारिक तकनीकी ज्ञान भी प्राप्त कर रोजगार के योग्य बनें।

इसके लिए वर्ष 2016 में बहुत उम्मीदों और दावों के साथ नेशनल एप्रेंटिसशिप प्रमोशन स्कीम कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने शुरू की।

वर्तमान में उसका दूसरा चरण चल रहा है, लेकिन परिणाम निराशाजनक हैं। लगभग 7.5 करोड़ स्स्स्ध इकाइयों वाले देश में एप्रेंटिसशिप के लिए पंजीयन मात्र 1.9 लाख प्रतिष्ठानों ने कराया है और उसमें से भी एप्रेंटिसशिप मात्र 51000 ही करा रहे हैं।

योजना की सुस्त चाल से चिंतित मंत्रालय- मंत्रालय अपनी योजना की समीक्षा कर कुछ बदलावों पर मंथन कर रहा है, जबकि एमएसएमई की ओर से उद्यमी मानते हैं कि खामी योजना में नहीं, बल्कि अमल के लिए जिम्मेदार सरकारी तंत्र में है।

नेशनल एप्रेंटिसशिप प्रमोशन स्कीम की समीक्षा को लेकर हाल ही में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय की समीक्षा बैठक हुई। इसमें प्रस्तुतीकरण के माध्यम से इस तथ्य पर चिंता जताई गई कि वर्तमान में योजना में युवाओं को एप्रेंटिसशिप दिलाने की दर 15 प्रतिशत की कम्पाउंड एनुअल ग्रोथ रेट से चल रही है।

सिक्किम दौरे पर किरेन रिजिजू, डोंगक्याला पास पर जवानों से की मुलाकात; विकास परियोजनाओं का लिया जायजा

नई दिल्ली/ जीएनएस। सिक्किम भ्रमण पर रहे केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने अपने आधिकारिक दौरे के तहत उत्तरी सिक्किम के प्रमुख स्थलों डोंगक्याला पास और युमथांग घाटी का दौरा किया।

डोंगक्य ला पास पर उन्होंने भारतीय सेना के अधिकारी और जवानों से मुलाकात कर कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और प्रतिकूल मौसम में उनके समर्पण व सेवा की सराहना की। वापसी के दौरान उन्होंने युमथांग घाटी में कुछ समय बिताकर वहां की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लिया। इस दौरान उनके साथ राज्य के मंत्री सामडुप लेप्चा सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि मौजूद रहे। बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने लाचुंग स्थित सामलिंग छोलिंग बौद्ध मठ में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

इस अवसर पर मंत्री लेप्चा और प्रसिद्ध गायक मोहित चौहान सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, बौद्ध भिक्षु और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। रिजिजू ने मठ परिसर में निर्माणाधीन परियोजना का भी निरीक्षण किया और इसके शीघ्र पूर्ण होने के लिए केंद्र सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इसके बाद उन्होंने समीप स्थित आनी बौद्ध मठ में भी दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

इससे पहले मंत्री सामडुप लेप्चा ने लाचुंग स्थित आर्मी गेस्ट हाउस में केंद्रीय मंत्री से भेंट कर जिले में चल रही विकास योजना, जनकल्याणकारी पहलें और स्थानीय चुनौतियों से अवगत कराया। इस दौरान स्थानीय पारंपरिक संस्था लाचुंग जुम्सा के प्रतिनिधियों की भागीदारी ने सामुदायिक सहयोग की झलक पेश की।

मुख्यमंत्री से भी की मुलाकात- अपने दौरे के अंतिम दिन केंद्रीय मंत्री ने राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तामांग से भी मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने अपने आधिकारिक सामाजिक संजाल पर जानकारी साझा करते हुए उल्लेक किया है कि इस मुलाकात अवधी सिक्किम के विकास और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई।

भंडारी श्री पदमचंद्र म.सा. का भावपूर्ण स्मरण, धर्मसभा में संतों ने बताया युगनायक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में आचार्य श्रीमद्विजय हितेशचंद्र सूरीश्वर जी म.सा. के सान्निध्य में आयोजित धर्मसभा में राष्ट्संत एवं उत्तर भारतीय प्रवर्तक परम पूज्य भंडारी श्री पदमचंद्र म.सा. के दिव्य जीवन और योगदान को श्रद्धा एवं भावनाओं के साथ स्मरण किया गया। संतों ने उन्हें युगनायक बताते हुए कहा कि उन्होंने तप, त्याग, ज्ञान, ध्यान और सेवा के माध्यम से समाज में आध्यात्मिक जागृति का कार्य किया।

धर्मसभा में बताया गया कि भंडारी श्री पदमचंद्र म.सा. ने मात्र 17 वर्ष की आयु में दीक्षा ग्रहण कर अपने जीवन को धर्म सेवा के लिए समर्पित कर दिया था। वे श्रमण संघ के प्रथम आचार्य श्री आत्माराम म.सा. के प्रिय शिष्य रहे और अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के कारण उन्हें भंडारी की उपाधि से सम्मानित किया गया, जो आगे चलकर उनकी पहचान बन गई। उनके आशीर्वाद से 108 मुमुक्षु आत्माओं ने दीक्षा ग्रहण कर जिनशासन की प्रभावना की, जिनमें आचार्य सम्राट तपसूर्य डॉ. श्री शिव मुनि म.सा. का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा।

धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य विश्वरत्न सागर जी महाराज ने कहा कि गुणी संतों के गुणों का स्मरण करना पुण्य जागृत करने वाला होता है और जीवन को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है। वहीं आचार्य हितेशचंद्र सूरीश्वर जी म.सा. ने भंडारी जी महाराज के व्यक्तित्व का उल्लेख करते हुए उप प्रवर्तक श्री पंकज मुनि जी महाराज को दक्षिण भारत धर्म प्रभावक और श्री वरुण मुनि जी महाराज को शासन सूर्य की पदवी से अलंकृत किया।

कार्यक्रम में शिक्षा, चिकित्सा और समाजसेवा के क्षेत्र में गुरुदेव के योगदान को भी रेखांकित किया गया। बताया गया कि उनकी प्रेरणा से देशभर में अनेक सेवा संस्थाओं की स्थापना हुई, जो आज भी मानव सेवा के कार्य में लगी हुई हैं। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण से हुई, जिसमें संघ के महामंत्री रमेश भंडारी ने स्वागत उद्बोधन दिया, वहीं महासती श्री रश्मि जी और महासती श्री विजया जी सुमन ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

धर्मसभा में भक्ति और सेवा का विशेष संगम देखने को मिला, जहां संतों द्वारा गुरु गुणगान प्रस्तुत किया गया और श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों के माध्यम से अपनी श्रद्धा अर्पित की। कार्यक्रम के अंत में मानव सेवा के उद्देश्य से एक अस्पताल को दंत चिकित्सा मशीन भेंट की गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने पूरे आयोजन को धर्ममय बना दिया।

ऑनलाइन गेमिंग सट्टा रैकेट का खुलासा, क्राइम ब्रांच ने आरोपी को किया गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अवैधानिक गतिविधियों और आर्थिक अपराधों पर लगाम कसने के लिए क्राइम ब्रांच इंदौर लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में ऑनलाइन गेमिंग सट्टा खिलवाने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ा खुलासा किया गया है। आरोपी Allpanelexch9.co वेबसाइट के माध्यम से लोगों को सट्टा खेलने के लिए आईडी और पासवर्ड उपलब्ध कराता था तथा पेमेंट लेकर उन्हें ऑनलाइन गैंबलिंग प्लेटफॉर्म पर कॉइन्स प्रोवाइड करता था।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एरोड्रम थाना क्षेत्र की धर्मराज कॉलोनी में ऑनलाइन सट्टा संचालित किया जा रहा है। सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच टीम ने दबिश देकर आरोपी शुभम उर्फ मोनु यादव को गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी शहर के कई लोगों को पैसे लेकर सट्टा खेलने की सुविधा देता था और उसके मोबाइल में लाखों रुपये के ट्रांजेक्शन के सबूत भी मिले हैं।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दो मोबाइल फोन और एक एलईडी टीवी जब्त किया है, जिनकी कुल कीमत लगभग एक लाख रुपये बताई जा रही है। आरोपी के खिलाफ पब्लिक गैंबलिंग एक्ट, बीएनएस और आईटी एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है और जल्द ही और बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

इंदौर में दो महान संतों का आत्मीय मिलन, तिलक नगर में धर्ममय बना वातावरण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के तिलक नगर स्थित श्री राजेंद्रसूरी आराधना भवन में एक अत्यंत पावन और प्रेरणादायी दृश्य देखने को मिला, जब गच्छाधिपति आचार्य श्री हितेशचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा. और सौभाग्य कुल दिवाकर पूज्य प्रवर्तक गुरुदेव श्री प्रकाश मुनिजी म.सा. का आत्मीय मिलन सम्पन्न हुआ। इस दिव्य अवसर पर बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहीं और संतों के दर्शन कर धर्मलाभ प्राप्त किया। दोनों पूज्य गुरुदेवों के सान्निध्य में पूरे परिसर में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण बना रहा। इस मिलन को धर्मसंघ की एकता, समर्पण और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम बताया गया, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं के मन को गहराई से स्पर्श किया। समाजजनों ने इस अवसर को ऐतिहासिक और प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि ऐसे पावन मिलन समाज में सद्भाव, संस्कार और धर्म के प्रति आस्था को और अधिक सुदृढ़ करते हैं। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं ने पूज्य गुरुदेवों से आशीर्वाद प्राप्त कर अपने जीवन को धर्ममय बनाने का संकल्प लिया, जिससे पूरा वातावरण श्रद्धा और सकारात्मक ऊर्जा से भर गया।

जिंसी से लक्ष्मीबाई प्रतिमा मार्ग का निर्माण जल्द, महापौर ने किया निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के सड़क नेटवर्क को मजबूत और व्यवस्थित बनाने की दिशा में नगर निगम तेजी से काम कर रहा है। इसी क्रम में महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शनिवार को पश्चिम क्षेत्र के जिंसी इलाके में प्रस्तावित जिंसीङ्कलक्ष्मीबाई प्रतिमा मार्ग का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। महापौर ने बताया कि वर्ष 2023 के मास्टर प्लान के अंतर्गत शहर के मध्य स्थित प्रमुख सड़कों का समय पर निर्माण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जिंसी से लक्ष्मीबाई प्रतिमा तक बनने वाला यह मार्ग यातायात को सुगम बनाएगा और क्षेत्र के विकास को नई गति देगा। उन्होंने जानकारी दी कि नाले पर पुल निर्माण का कार्य शुरू हो चुका है और इसके आगे बढ़ते ही सड़क निर्माण भी तेजी से शुरू कर दिया जाएगा। निरीक्षण के दौरान महापौर ने स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उन्हें परियोजना के महत्व से अवगत कराया और स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने की अपील की। कई नागरिकों ने इसे ऐतिहासिक पहल बताते हुए अपने निर्माण स्वयं हटाने की सहमति भी दी। महापौर ने ऐसे नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए अन्य लोगों को तीन दिन की मोहलत दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित समय के बाद नगर निगम द्वारा आवश्यक कार्रवाई कर बाधाओं को हटाया जाएगा, ताकि सड़क निर्माण कार्य बिना रुकावट के शुरू हो सके। इस अवसर पर अपर आयुक्त, स्थानीय पार्षद, जल कार्य प्रभारी राजेंद्र राठौड़, स्वच्छता प्रभारी अश्विनी शुक्ला सहित निगम के अधिकारी और बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।

जल संचयन अभियान की समीक्षा बैठक, नगरीय प्रशासन आयुक्त के सख्त निर्देश–शहर में बनेगा 'नगर वन', स्वच्छता पर विशेष फोकस

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संरक्षण और स्वच्छता को लेकर सरकार की प्राथमिकताओं के तहत नगरीय प्रशासन आयुक्त संकेत भोंडवे ने बीसीसी में जल संचयन जन भागीदारी अभियान की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने निर्धारित लक्ष्यों को समय सीमा में पूरा करने के निर्देश देते हुए शहर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग कार्यों को तेजी से पूर्ण करने पर जोर दिया। आयुक्त ने निर्देशित किया कि भवन निर्माण की अनुमति के अनुसार रेन वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य रूप से पूरा कर प्रमाण पत्र जारी किया जाए। साथ ही शासकीय भवनों, बड़े संस्थानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, औद्योगिक इकाइयों और वेयरहाउस में इस कार्य को प्राथमिकता दी जाए। जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए शहरभर में टोटी अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए, जिससे नलों से हो रही पानी की बर्बादी रोकी जा सके। बैठक में शहर में नगर वन स्थापित करने की योजना पर भी जोर दिया गया। आयुक्त ने आगामी वर्षा ऋतु से पहले पौधारोपण के लिए स्थान चिन्हित कर कार्ययोजना तैयार करने और सामाजिक संगठनों को इस अभियान से जोड़ने के निर्देश दिए। इसके साथ ही स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा के दौरान आयुक्त ने स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए नगर निगम और अन्य निकायों को विशेष रूप से सफाई व्यवस्था पर ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता में बेहतर रैंकिंग के लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें और शहर को स्वच्छता में शीर्ष स्थान दिलाने के लिए प्रयास तेज किए जाएं। बैठक में आयुक्त क्षितिज सिंघल, आईडीए सीईओ डॉ. परिक्षित झाड़े, अपर आयुक्त दिव्यांक सिंह, प्रखर सिंह, आशीष पाठक, संयुक्त संचालक एस.के. सिन्हा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आयुक्त क्षितिज सिंघल का सुबह-सुबह निरीक्षण, सफाई व्यवस्था और मास्टर प्लान सड़कों की प्रगति का लिया जायजा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की सफाई व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने तथा मास्टर प्लान के तहत विकसित हो रही सड़कों की प्रगति की समीक्षा के लिए आयुक्त क्षितिज सिंघल ने रविवार सुबह विभिन्न क्षेत्रों का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मधु मिलन से छावनी रोड स्थित जगन्नाथ पुरी धर्मशाला तक, बंगाली चौराहा से कनाडिया होते हुए खजराना गणेश मंदिर के पीछे लिंक रोड तथा कालका माता मंदिर से जमजम चौराहा तक का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने मास्टर प्लान के अंतर्गत प्रस्तावित और निर्माणाधीन सड़कों की प्रगति की जानकारी ली और कार्यों को समयबद्ध व गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शहर के बेहतर यातायात और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सड़कों का विकास प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए।

इस दौरान आयुक्त ने खजराना चौराहा से बंगाली चौराहा तक रिंग रोड के मध्य स्थित ग्रीन बेल्ट का भी निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रीन बेल्ट में जहां-जहां खाली स्थान हैं, वहां हरियाली बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि शहर की सुंदरता बनाए रखने के लिए ग्रीनरी का विस्तार, नियमित सफाई और उचित रखरखाव अत्यंत आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, सहायक यंत्री नरेश जायसवाल, जोनल अधिकारी वैभव देवलासे, धीरेंद्र बायस, उप यंत्री पराग अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

इंदौर क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई, 16 लाख से अधिक की MD ड्रग्स और डोडाचूरा जब्त, महिला समेत दो तस्कर गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत क्राइम ब्रांच पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक महिला और एक पुरुष सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 159 ग्राम एमडी ड्रग्स और 990 ग्राम डोडाचूरा बरामद किया गया है, जिसकी कुल कीमत लगभग 16 लाख 80 हजार रुपये आंकी गई है।

मुख्यमंत्री के निर्देशों के तहत शहर में मादक पदार्थों की तस्करी पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में क्राइम ब्रांच टीम द्वारा लगातार संदिग्धों पर नजर रखी जा रही थी। इसी दौरान पत्थर गोदाम रोड क्षेत्र में सार्वजनिक शौचालय के पास एक संदिग्ध जोड़े को रोका गया, जो पुलिस को देखकर घबराने लगे।

तलाशी लेने पर उनके पास मौजूद बैग से 159 ग्राम एमडी ड्रग्स और 990 ग्राम डोडाचूरा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपियों ने अपनी पहचान नावेद खान और मुमताज निवासी पिपलौदा, रतलाम के रूप में बताई। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे सस्ते में मादक पदार्थ खरीदकर इंदौर में नशे के आदी लोगों को महंगे दामों पर बेचते थे। पुलिस अब उनसे ड्रग्स सप्लाई के स्रोत और पूरे नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस के अनुसार वर्ष 2026 में अब तक एनडीपीएस एक्ट के तहत 26 प्रकरण दर्ज कर 41 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस का कहना है कि शहर में नशे के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

इंदौर में बाइक चुरा कर वृद्धा से चेन लूटी, सिकलीगर सहित तीन गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। द्वारकापुरी पुलिस ने चोरी और लूट करने वाली गैंग के तीन सदस्यों को पकड़ा है। मुख्य आरोपित आकाश नगर का रोशन सिकलीगर है। दो नाबालिगों के साथ वारदात करता था। गुरुवार रात ही उसने वृद्धा से सोने की चेन लूटी थी। लूटने के पहले एक बाइक चुराई थी। पुलिस के अनुसार अंकल गली में पंजाब बैकरी के समीप वारदात हुई थी। बाइक सवार तीन बदमाशों ने 65 वर्षीय रीटा सलूजा से सोने की चेन झपट ली थी। रीटा दो अन्य महिला के साथ खड़ी हुई थी। बाइक पर तीन बदमाश आए और रैकी कर ली। एक बदमाश नीचे उतरा और झपट्टा मारकर रीटा की चेन लूट ली। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपित रोशन पुत्र चिरागसिंह सिकलीगर निवासी आकाश नगर को गिरफ्तार कर लिया। रोशन शातिर अपराधी है। उसका भाई गुलशन भी देशभर में वारदात करता है।

वार्ड 6 में महापौर पुष्यमित्र भार्गव का निरीक्षण, विशेष स्वच्छता अभियान की शुरुआत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शनिवार सुबह वार्ड क्रमांक 6 का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बड़ा गणपति चौराहे से लेकर रामचंद्र नगर तक क्षेत्र का दौरा कर सफाई व्यवस्था, गार्डनों और बैक लाइनों की स्थिति का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने रामचंद्र नगर स्थित गार्डनों और बैक लाइनों की साफ-सफाई और रखरखाव को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने हंसदास माता मंदिर के पास नदी क्षेत्र का निरीक्षण कर वहां चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। इस दौरान स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ला, स्थानीय पार्षद, जोनल अधिकारी, नगर निगम के अधिकारी, एनजीओ प्रतिनिधि और क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।

महापौर ने क्षेत्रीय नागरिकों से संवाद करते हुए उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरूक किया और शहर को साफ-सुथरा बनाए रखने में सहयोग की अपील की। इसी अवसर पर वार्ड 6 में विशेष स्वच्छता अभियान की शुरुआत की गई, जिसके तहत कॉलोनियों में गहन सफाई, मच्छररोधी दवाओं का छिड़काव और अन्य आवश्यक कार्य एक साथ किए जाएंगे।

महापौर ने रामचंद्र नगर में बैक लाइन की स्वयं सफाई कर उसे व्यवस्थित करने वाले एक स्थानीय नागरिक को अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया और अन्य रहवासियों को भी इस तरह के प्रयासों के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सफाई मित्रों से संवाद कर उनके कार्यों की सराहना की और उनका हाल-चाल जाना।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर लगातार स्वच्छता में नंबर वन बना हुआ है और इसे बनाए रखने के लिए हर वार्ड में गहन सफाई अभियान चलाया जा रहा है। नियमित सफाई के साथ कीटनाशकों का छिड़काव भी किया जा रहा है, ताकि हर क्षेत्र को शत-प्रतिशत स्वच्छ बनाया जा सके। उन्होंने विश्वास जताया कि जनप्रतिनिधियों, निगम की टीम और नागरिकों के सहयोग से इंदौर आगे भी स्वच्छता में अपनी पहचान बनाए रखेगा।

इंदौर में बेकाबू कार बस स्टॉप को उड़ाते हुए पलासिया थाने में घुसी, चालक साथियों संग फरार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देर रात एक कार ने पलासिया थाना में अफरा-तफरी मचा दी। पुलिसकर्मी समझ ही नहीं पाए और कार ने सिटी बस स्टॉप को तहस-नहस कर डाला। इसके बाद कार थाने की दीवार तोड़कर थाने में जा घुसी। पुलिस अब कार सवारों को ढूंढने में जुटी है। परिवहन विभाग से कार मालिक की जानकारी मांगी है। घटना गुरुवार रात करीब ढाई बजे की है। कार साकेत नगर की ओर से पलासिया चौराहा की ओर जा रही थी। जैसे ही थाने के सामने पहुंची, वह सिटी बस स्टॉप की तरफ मुड़ गई।

युवा प्रतिभाओं को नवाचार और तकनीकी उत्कृष्टता के लिए एक सशक्त मंच

युवा अपनी अपनी रचनात्मक सोच और तकनीकी कौशल से रचें नए आयाम –सचिन यादव

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निमाड़ अंचल के प्रतिष्ठित तकनीकी शिक्षा संस्थान, जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बोरावां में माईक्रोसॉफ्ट के सहयोग से राष्टीय स्तर के ''एजेन्टिक एआई हैकेथॉन 2026÷ का गरिमामय शुभारंभ हुआ। इस आयोजन में देश भर से आए युवा अन्वेषकों और तकनीकी विशेषज्ञों ने भविष्य की चुनौतियों के समाधान के लिए अपनी मेधा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर मप्र के पूर्व कृषि मंत्री एवं कसरावद विधायक सचिन यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके साथ ही युवा उद्यमी एवं अधिवक्ता हर्षवर्धन यादव, रोहित सरदाना स्टार्टअप एडवाईज एवं फाउण्डर, सौरव रघुवंशी डिजिटल क्लाउट साल्यूशन आर्कीटेक्ट माईक्रोसॉफ्ट बैंगलोर, शैली मेंहदीरत्ता टेक्नीकल सपोर्ट इंजीनियर माईक्रोसॉफ्ट बैंगलोर, राहुल भार्गव डायरेक्टर शीकुंज , गुंजन जसवाल टेक्नलॉजी हेड यूथ टॉक, आनन्द कुमार ऑपरेशन लीड अजूरे डेवलपर कम्यूनिटी, अजकरउद्दीन खान संरक्षक अजूरे डेवलपर कम्यूनिटी, सायन कर्मकार माईक्रोसॉफ्ट गोल्ड एम्बेसेडर रूंगटा इंटरनेशनल स्कील्स यूनिवसिर्टी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के पूजन एवं संस्था के संस्थापक पूर्व उप मुख्यमंत्री स्व.सुभाष यादव के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर तृतीय वर्ष एआईएमल की छात्रा भूमि गुप्ता द्वारा पारंपरिक गणेश वंदना की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। संस्थान की विकास यात्रा और विजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. अतुल उपाध्याय ने संस्थान की गौरवशाली यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि स्वर्गीय श्री सुभाष यादव जी द्वारा 1997 में मात्र तीन शाखाओं के साथ स्थापित यह संस्थान आज इंजीनियरिंग, एम.टेक, डिप्लोमा और एमसीए जैसे विविध पाठ्यक्रमों के माध्यम से हजारों छात्रों का भविष्य संवार रहा है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य केवल स्नातक तैयार करना नहीं, बल्कि ऐसे नवाचारी लीडर्स बनाना है जो राष्ट निर्माण में योगदान दे सकें।

नवाचार का नया अध्याय - प्राचार्य डॉ. अतुल उपाध्याय

डॉ. उपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा कि यह हैकाथॉन केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि विचारों को हकीकत में बदलने का मंच है। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए कहा, भविष्य उन्हीं का है जो इसे बनाने का साहस रखते हैं। यह आयोजन खरगोन और पूरे निमाड़ क्षेत्र के लिए तकनीकी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

जेआयटी बोरावां द्वारा नवाचार के अंतर्गत इंडस्ट्री कनेक्ट, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, इंफोसिस और टीसीएस जैसी वैश्विक कंपनियों के साथ मजबूत समन्वय, छात्र नवाचार कोड नेक्सस जैसे क्लबों के माध्यम से नई तकनीकों पर कार्य किया जा रहा है। एमएसएमई सहयोग एमएसएमई समर्थित इंक्यूबेशन सेंटर स्टार्टअप्स को दे रहा बढ़ावा। सर्वांगीण विकासरू एनसीसी, एनएस एस, खेल एवं आध्यात्मिक गतिविधियों से चरित्र निर्माण जैसी गतिविधियॉ सम्मिलित है।

इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री मप्र एवं विधायक कसरावद सचिन यादव ने अपने संबोधन में कहा कि जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बोरावां द्वारा आयोजित एजेन्टिक एआई हैकेथॉन 2026' युवा प्रतिभाओं को नवाचार और तकनीकी उत्कृष्टता के लिए एक सशक्त मंच प्रदान कर रहा है। आज का युग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल परिवर्तन का युग है, ऐसे में हमारे युवाओं का इस दिशा में आगे बढ़ना न केवल उनके व्यक्तिगत विकास के लिए, बल्कि देश की प्रगति के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। निमाड़ जैसे अंचल में इस स्तर के आयोजन यह साबित करते हैं कि प्रतिभा किसी स्थान की मोहताज नहीं होती। मैं सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देता हूँ कि वे अपनी रचनात्मक सोच और तकनीकी कौशल से नए समाधान विकसित करें और देश का नाम रोशन करें।

एजेन्टिक एआई आज के समय में महत्वपूर्ण - राहुल भार्गव।

डायरेक्टर शीकुंज राहुल भार्गव ने अपने उद्बोधन में कहा कि बढ़ते अविष्कारों के युग में खेती, रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों में भी एजेन्टिक एआई का उपयोग किया जा रहा है । अब कॉल सेंटर की कॉल्स मैसेज भेजने वाले सिस्टम्स जैसे सभी सुविधायें एजेन्टिक एआई पर निर्भर है । खास बात यह है कि इसे सीखकर विद्यार्थी अपने जीवन में न सिर्फ आई.टी. बल्कि दूसरे क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरूण यादव ने दी शुभकामनाए।- संस्थान के चेयरमैन एवं पूर्व केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री अरुण यादव के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उद्योग जगत के प्रतिनिधि और शिक्षाविद् शामिल हुए। अपने संदेश में पूर्व केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री अरूण यादव ने देश प्रदेश से दो दिवसीय हैकेथॉन सम्मिलित होने के लिए बोरावां आए सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं प्रेषित की। अंत में डॉ. उपाध्याय ने सभी आयोजकों, सहयोगियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को नवाचार का संदेश दिया।

पिपलियामंडी में चोरों का कहर, लाखों के जेवर व नकदी चोरी, फर्श पर फैला खून, चोटिल हुए चोर

लगातार वारदातों से पुलिस पर उठे गंभीर सवाल, कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलिया नगर में चोरी की बढ़ती घटनाओं ने अब गंभीर रूप ले लिया है। पुलिस की उदासीनता के चलते बाइक चोरी की घटनाओं के बाद चोर घर में घुसकर वारदात को अंजाम देने से नही चूक रहे। शुक्रवार को शाम ढ़लते ही अजय टॉकीज रोड क्षेत्र में ओवरब्रिज के नीचे हुई एक बड़ी चोरी की वारदात ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। बेखौफ चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये की नकदी और सोने-चांदी के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। खास बात यह रही कि चोर वारदात के दौरान घायल भी हो गए और घर के बाहर फर्श पर उनका खून फैल गया। घर मालिक पहुंचा, इससे पहले की चोर वारदात को अंजाम देकर फरार हो चुके थे।

गेट कूदकर घुसे, दरवाजा तोड़ा और सेफ से उड़ाए लाखों के जेवर व नकदी- प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी रामप्रहलाद पाटीदार, जो रेलवे फाटक के पास मेडिकल स्टोर संचालित करते हैं, अपनी पत्नी सुशीलाबाई के साथ शुक्रवार शाम करीब 7.30 बजे दुकान पर थे। संभावना है कि इसी दौरान रात करीब 8 से 9 बजे के बीच 4 से 5 अज्ञात चोर मकान के आगे लगे गेट को कूदकर अंदर घुस गए। चोरों ने मुख्य दरवाजा तोड़कर घर में प्रवेश किया और सीधे उस स्थान तक पहुंचे जहां लोहे की सेफ रखी हुई थी। इसके बाद सेफ को तोड़कर उसमें रखी नकदी और जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित परिवार के अनुसार चोर सेफ से 2 लाख रुपए नकदी, तीन तौले का एक सोने का कड़ा, दो तोले की दो सोने की अंगूठी, 5 चांदी के सिक्के चोरी कर ले गए। फिलहाल पूरे नुकसान का आकलन किया जा रहा है, जिससे चोरी की राशि और बढ़ने की संभावना है।

खून के निशान ने बढ़ाई सनसनी, जल्दबाजी में भागे आरोपी- वारदात के बाद जब रात करीब 9 बजे दंपत्ति घर लौटे तो दरवाजा खुला देखकर उनके होश उड़ गए। घर के बाहर फर्श पर खून फैला हुआ था। आशंका जताई जा रही है कि गेट कूदते समय या भागते वक्त कोई चोर घायल हो गया। खून के निशान रेलवे स्टेशन की दिशा में जाने की संभावना को भी दर्शाते हैं, जिससे यह कयास लगाए जा रहे हैं कि आरोपी ट्रेन में बैठकर भी फरार हो सकते है।

बड़े सवाल जो जवाब मांगते हैं- क्षेत्र में लगातार हो रही चोरियों पर किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द ने पुलिस की उदासीनता पर सवाल उठाए है। उन्होंने कहा कि पिपलियामंडी में कानून व्यवस्था पूरी तरह कमजोर पड़ चुकी है? आखिर कब तक चोरों के सामने पुलिस बेबस नजर आती रहेगी ? सीसीटीवी में कैद होने के बावजूद आरोपी क्यों नहीं पकड़े जा रहे ? क्या पुलिस सिर्फ घटनाओं के बाद औपचारिक जांच तक सीमित रह गई है? जोकचन्द ने कहा कि पिपलियामंडी में लगातार बढ़ती चोरी की घटनाएओं से आमजन में खौफ है। आमजन का पुलिस से विश्वास उठ रहा है और अपराधियों के हौसले और बुलंद हो रहे है।

कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन, गश्त बढ़ाई जाए- नगर में पुलिस बल बढाने, रात्रि में गश्त कृषि उपज मंडी में व्यवस्थाओं को सुधारने की मांग को लेकर थाना प्रभारी के नाम का एक ज्ञापन नगर कांग्रेस कमेटी ने शनिवार को दोपहर 2.30 बजे चौकी प्रभारी भीमसिंह राठौर को सौंपा। ज्ञापन का वाचन नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष किशोर उणियारा ने कर बताया कि पुलिस बल की कमी के चलते नगर में पिछले कुछ समय से चोरी की घटनाएं बढ़ी है जिससे आमजन असुरक्षा का वातावरण बन रहा है चोरों के हौसले इतने बुलंद है कि वे बेखोफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे है। पुलिस बल बढ़ाया जाकर व गश्त लगातार कराई जाए। इस अवसर पर कांग्रेस प्रदेश कांग्रेस सचिव मुकेश निडर, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष विजेश मालेचा, पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा, नेता प्रतिपक्ष सरफराज मेव, पंकज बोराना, विष्णु फरक्या, किशनलाल चौहान, बंशीलाल पाटीदार, भूपेन्द्र महावर, दिनेश गुप्ता, रामप्रसाद फरक्या, भेरु पप्पू गुर्जर, अशोक कोहली, अनिल मुलासिया, मनीष मालेचा आदि मौजूद रहे।

नीमच में आंगनवाड़ी केंद्रों पर हुआ लाड़ली लक्ष्मी बेटियों का स्वागत

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 'लाडली लक्ष्मी उत्सव' के अवसर पर शनिवार को नीमच जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में उत्साहपूर्ण तरीके से मनाया गया। जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशन में आंगनवाड़ी केंद्रों को आकर्षक ढंग से सजाकर लाडली बेटियों और उनके अभिभावकों का सम्मान किया गया।

परियोजना नीमच शहरी का मुख्य कार्यक्रम विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत लाडली बेटियों को तिलक लगाकर की गई। विधायक श्री परिहार ने बेटियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

प्रमाण पत्र वितरण- नव पंजीकृत लाडली लक्ष्मियों को योजना के प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

लाडली संवाद- आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने बालिकाओं और उनके माता-पिता को शिक्षा के महत्व एवं बाल विवाह जैसी कुरीतियों की रोकथाम के लिए जागरूक किया।

बेटियों ने किया संचालन- कार्यक्रम का संचालन लाडली लक्ष्मी बालिका तनुश्री पाठक ने किया । लाडली लक्ष्मी संगठन की अध्यक्ष बालिका पूर्वी ने किए गए कार्यों की जानकारी दी।

सांस्कृतिक प्रस्तुति - उत्सव के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों पर बेटियों ने गीत-संगीत और कविताओं की मनमोहक प्रस्तुति दी।

जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री अंकिता पंड्या ने बताया कि नीमच जिले में लाडली लक्ष्मी योजना का लाभ पात्र बालिकाओं तक सुगमता से पहुंचाया जा रहा है। आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि हर बेटी का स्वास्थ्य और शिक्षा का स्तर बेहतर हो। उपस्थित माताओं को लाडली लक्ष्मी योजना 2.0 के नए प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, ताकि वे अपनी बेटियों के उच्च शिक्षा के सपनों को पूरा कर सकें।

बरखेडा जयसिंह में कलश यात्रा के साथ देवी भागवत कथा का शुभारंभ

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम बरखेडा जयसिंह में शनिवार को श्रीमद देवी भागवत कथा के शुभारंभ अवसर पर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिलाएं सिर पर कलश धारण कर शामिल हुई। कलश यात्रा के पश्चात कथा का विधिवत शुभारंभ हुआ, जिसमें सुख अंबाजी धाम निपानिया के गुरू ने श्रीकृष्ण लीला का भावपूर्ण प्रसंग सुनाया गया। कथा श्रवण के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजकों के अनुसार, ग्राम में 2 मई से 8 मई तक श्रीमद देवी भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है, जो प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक चलेगी । 7 मई को रात्रि 8 बजे दिव्य दरबार का आयोजन होगा, जिसमें विशेष धार्मिक कार्यक्रम संपन्न होंगे। समस्त ग्रामवासियों द्वारा कथा में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पांडाल में सातों दिन भोजन की व्यवस्था की गई है। कथा के समापन अवसर पर 8 मई को विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा।

पसीने की कीमत पर खड़ा शहरः मजदूर दिवस पर मेहनतकशों को सलाम, सिस्टम पर सवाल, आप का प्रदर्शन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ईंट, गारा और पसीने से शहर को आकार देने वाले हाथों को मजदूर दिवस पर याद किया गया, लेकिन सवाल भी उठे–क्या सिर्फ एक दिन का सम्मान काफी है? आम आदमी पार्टी ने शहर में श्रमिक सम्मान कार्यक्रम आयोजित कर मेहनतकशों को माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन किया। मंच से प्रदेश उपाध्यक्ष इंजीनियर नवीन कुमार अग्रवाल ने दो टूक कहा–शहर की चमक जिन हाथों से है, वही हाथ सबसे ज्यादा उपेक्षित हैं। उन्होंने साफ किया कि सड़क से लेकर मकान तक, खेत से लेकर फैक्ट्री तक–हर सुविधा के पीछे मजदूर की खामोश मेहनत है, लेकिन बदले में उन्हें न पर्याप्त वेतन मिलता है, न बुनियादी सुविधाएं। अग्रवाल ने तीखे लहजे में कहा कि आज भी कई श्रमिक खुले आसमान के नीचे काम करने को मजबूर हैं–न पीने का पानी, न आराम की जगह, न शौचालय की व्यवस्था। विकास के दावे बड़े हैं, लेकिन मजदूर की हालत वही पुरानी है, उन्होंने जोड़ा। उन्होंने आगे कहा कि अगर देश को सच में आगे बढ़ाना है तो मजदूरों के हक पर बात करनी होगी–न्यायसंगत वेतन, तय कार्य समय, स्वास्थ्य सुरक्षा और बीमा जैसी सुविधाएं अब विकल्प नहीं, जरूरत हैं। साथ ही बाल मजदूरी पर सख्ती और बच्चों को शिक्षा से जोड़ने की बात भी प्रमुखता से रखी गई। कार्यक्रम के अंत में श्रमिकों को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी गईं, लेकिन माहौल में एक सवाल तैरता रहा–क्या सम्मान की ये माला उनके हालात भी बदलेगी, या फिर मजदूर सिर्फ तालियों तक सीमित रह जाएगा? इस मौके पर प्रशांत जायसवाल, बालचंद वर्मा, चंद्रेश सेन, अशोक सागर, लविश कनोजिया, अर्जुन कुमावत, शबनम कुरैशी, सानिया कुरेसी, आमिना बी, इरफान कुरैशी समेत कई कार्यकर्ता और श्रमिक मौजूद रहे।

केंद्रीय विद्यालय के खिलाड़ियों ने संभाग स्तरीय स्पर्धा में दिखाया दमखम, जीते 13 पदक

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय मंदसौर के प्रतिभावान विद्यार्थियों ने 55वीं केवीएस संभाग स्तरीय खेल प्रतियोगिता 2026 में अपनी खेल भावना और कौशल का उत्कृष्ट परिचय देते हुए विद्यालय का नाम पूरे संभाग में गौरवान्वित किया है। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के कुल 38 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिन्होंने सामूहिक और व्यक्तिगत स्पर्धाओं में कड़ी चुनौती पेश करते हुए कुल 2 स्वर्ण, 4 रजत और 7 कांस्य पदकों पर कब्जा जमाया। टीम खेलों की बात करें तो हॉकी में विद्यालय का दबदबा रहा, जहाँ अंडर-17 बालिका टीम ने अपने शानदार तालमेल से स्वर्ण पदक जीतकर प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं अंडर-17 बालक टीम ने भी कड़े मुकाबले के बाद रजत पदक अपने नाम किया।

व्यक्तिगत स्पर्धाओं में भी खिलाड़ियों ने पदकों की झड़ी लगा दी। स्केटिंग के क्वाड अंडर-14 बालिका वर्ग में अक्षिता चौहान ने अपनी गति का लोहा मनवाते हुए 500 मीटर में स्वर्ण और 1000 मीटर में रजत पदक हासिल किया, जबकि इसी वर्ग में यशवी जैन ने 500 मीटर और 1000 मीटर की रेस में दो कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा दिखाई। स्केटिंग के इनलाइन अंडर-14 बालिका वर्ग में रियांशी गुप्ता ने 500 मीटर और रोड रेस में कांस्य पदक प्राप्त किया, तो वहीं अंडर-17 बालक वर्ग के क्वाड मुकाबले में विनायक पालीवाल ने 1000 मीटर में रजत और 3000 मीटर में कांस्य पदक जीतकर विद्यालय का मान बढ़ाया। मार्शल आर्ट्स में भी विद्यालय के खिलाड़ियों का प्रदर्शन सराहनीय रहा, जिसमें ताइक्वांडो अंडर-14 बालिका वर्ग की -35 किग्रा श्रेणी में इनाया खान और +38 किग्रा श्रेणी में लक्षिता पाटीदार ने कांस्य पदक जीते। जूडो के अंडर-19 बालिका वर्ग में गरिमा पाटीदार ने -48 किग्रा भार वर्ग में रजत पदक जीतकर अपनी तकनीकी श्रेष्ठता सिद्ध की।

विद्यालय के लिए एक और बड़ी उपलब्धि बास्केटबॉल के मैदान से आई, जहाँ अंडर-17 बालिका वर्ग में अनन्या नागदा के शानदार खेल को देखते हुए उनका चयन आगामी केवीएस नेशनल प्रतियोगिता के लिए किया गया है।

खिलाड़ियों की इस सफलता पर विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष और जिले की कलेक्टर अदिति गर्ग, विद्यालय की प्राचार्या नीलांजनी प्रसाद, जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा एवं प्रधानाध्यापक ऋत्विक अग्रवाल, शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षक उमेश रावत, खेल प्रशिक्षक आजाद सिंह सोलंकी, सुश्री नैंसी गंगवाल सहित समस्त विद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

आदिवासी बाहुल्य ग्राम पाण्डुकुड़ी स्थित आंगनवाड़ी केंद्र पर हुआ लाड़ली लक्ष्मी बेटियों का स्वागत

आंगनवाड़ी पर्यवेक्षक श्रीमती जानी मेघवाल के आतिथ्य में मनाया लाड़ली लक्ष्मी उत्सव

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। झांतला संकुल के आदिवासी बाहुल्य ग्राम पाण्डुकुड़ी स्थित आंगनवाड़ी केंद्र पर लाडली लक्ष्मी उत्सव मनाया गया। 'लाडली लक्ष्मी उत्सव' के अवसर पर शनिवार को झांतला संकुल के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में उत्साहपूर्ण तरीके से मनाया गया। जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशन में आंगनवाड़ी केंद्रों को आकर्षक ढंग से सजाकर लाडली बेटियों और उनके अभिभावकों का सम्मान किया गया।

आंगनवाड़ी पर्यवेक्षक श्रीमती जानी मेघवाल के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत लाडली बेटियों को तिलक लगाकर की गई। श्रीमति मेघवाल ने बेटियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने बालिकाओं और उनके माता-पिता को शिक्षा के महत्व एवं बाल विवाह जैसी कुरीतियों की रोकथाम के लिए जागरूक किया।

उत्सव के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों पर बेटियों ने गीत-संगीत और कविताओं की मनमोहक प्रस्तुति दी।

आंगनवाड़ी पर्यवेक्षक श्रीमती मेघवाल ने बताया कि सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में लाडली लक्ष्मी योजना का लाभ पात्र बालिकाओं तक सुगमता से पहुंचाया जा रहा है। आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि हर बेटी का स्वास्थ्य और शिक्षा का स्तर बेहतर हो। उपस्थित माताओं को लाडली लक्ष्मी योजना 2.0 के नए प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, ताकि वे अपनी बेटियों के उच्च शिक्षा के सपनों को पूरा कर सकें।

लाडली लक्ष्मी योजना के तहत नेहा कालूराम भील, दिव्यांशी -चांदमल भील, हिमांशी-श्यामलाल भील,यशोदा-गोपाल भील,निशा-मुकेश नाथ आदि बालिकाओं को पर्यवेक्षक जानी मेघवाल व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता गीता धाकड़, राधा बाई भील द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किये गए लाडली लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम के दौरान गांव की महिला पुरुष एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। झांतला संकुल के समस्त आंगनवाड़ी केंद्रों पर हर्षोल्लास के साथ उत्सव मनाया गया।

गौतम मुनिजी के प्रवचन : प्रभु रामजी से प्रेरणा लो, माता-पिता की सेवा करो, अवहेलना मत करो

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माता-पिता की सेवा करो, उनकी आज्ञा की अवहेलना मत करो, प्रभु राम से प्रेरणा लो जिन्होंने पिता की आज्ञा को मानते हुए 14 वर्ष का वनवास स्वीकार किया और अयोध्या की राजगद्दी का त्याग किया। माता पिता जीवित तीर्थ है हम उनकी अवहेलना करे और तीर्थ यात्रा करके अपने को धार्मिक बताने का प्रयास करे यह कदापि उचित नहीं है। माता पिता की सेवा छोड़ कितने ही तीर्थ कर लो आपको पुण्य मिलने वाला नहीं है। इसलिये जीवन में सबसे पहले संतान को माता पिता की सेवा का दायित्व निभाना चाहिये यही सबसे बड़ा पुण्य है।

उक्त उद्गार परम पूज्य जैन संत उपाध्याय डॉ. गौतम मुनिजी म.सा. ने जीवागंज स्थित जनकूपुरा स्थानक भवन में आयोजित धर्मसभा में कहे। आपने शनिवार को यहाँ एक दिवसीय प्रवचन की श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित प्रवचन में कहा कि जब संतान को संपत्ति में कम हिस्सा मिलता है तो वह माता पिता की निंदा करने लगती है यह उचित नहीं है। आपने राम का वृतांत बताते हुए कहा कि समता का गुण सीखना हो तो राम से सीखे एक दिन बाद राजगद्दी मिलने वाली थी और 14 वर्ष का वनवास मिला तो भी उन्होंने स्वीकार किया। प.पू. संत श्री ने कहा कि स्थानकवासी जैन समाज सामायिक मंडल बनाये और प्रति रविवार स्थानक में सामूहिक सामायिक की व्यवस्था करें ताकि पूरे वर्ष स्थानकों में धर्म का कार्य हो। धर्म स्थान बनाना सरल है लेकिन उनका पुरे समय सदुपयोग हो यह व्यवस्था भी करना चाहिये।

जैसा कर्म करोगे वैसा फल मिलेगा - गौतम मुनिजी म.सा. ने कहा कि जो मनुष्य जैसा कर्म करता है उसे वैसा ही फल मिलेगा। कर्म बंधन से कोई मुक्त नहीं है यदि पापकर्म करेंगे तो उसका फल तुम्हे दुख के रूप में होगा ही यह संसार का शाश्वत सत्य है। गौतम मुनिजी ने कहा कि धर्म स्थान की मर्यादा जरूरी है धर्म स्थान पर सभी को मर्यादित वस्त्र ही पहनना चाहिये तथा मर्यादित वचन ही बोलना चाहिये जो धर्म स्थान की मर्यादा रखते है उन्हें ही यश मिलता है। सेवा भावी संत श्री वैभव मुनिजी म.सा. ने भी धर्मसभा को संबोधित किया। धर्मसभा में जैन दिवाकर महिला संगठन समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष संगीता जारोली ने भी अपने विचार रखे। धर्मसभा के पश्चात बापूलाल अनिल संचेती परिवार, तेजमल प्रकाशचन्द्र गांधी परिवार, अमित अभय चौपड़ा परिवार (जावरा) की ओर से प्रभावना वितरित की गई। धर्मसभा के पूर्व बापूलालजी अनिल संचेती परिवार के द्वारा नवकारसी का भी आयोजन हुआ। धर्मसभा का संचालन महामंत्री संजय तरवेचा ने किया।

महिला बाल विकास परियोजना रतनगढ़ के सेक्टर रतनगढ़ में लाड़ली लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी लाड़ली लक्ष्मी योजना के 18 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला महिला बाल विकास विभाग नीमच के निर्देशानुसार 2 मई 2026 शनिवार को महिला एवं बाल विकास परियोजना रतनगढ़ के सेक्टर रतनगढ़ में कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सुगना बाई कचरूमल गुर्जर परियोजना अधिकारी श्रीमती कविता चौहान की उपस्थिति में लाडली लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर श्रीमती सुगनाबाई गुर्जर ने कार्यक्रम में उपस्थित बालिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि बालिका जन्म के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने लिंगानुपात मैं सुधार लाने और बालिकाओं की शिक्षा एवं स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के उद्देश्य से 2 मई 2007 को किया गया था आज लाडली लक्ष्मी योजना बेटियों के जीवन में उम्मीद की किरण बनकर उभरी है। श्रीमती गुर्जर ने कार्यक्रम में उपस्थित बालिकाओं को अच्छी पढ़ाई करने एवं अपने माता-पिता का नाम रोशन करने का आह्वान किया कार्यक्रम को परियोजना अधिकारी श्रीमती कविता चौहान ने संबोधित करते हुए कहा कि सरकार महिलाओं और बालिकाओं के कल्याण के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। वे आधिकाधिक योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बने श्रीमती चौहान ने बालिकाओं को बाल विवाह न करने और न होने देने तथा भ्रूण हत्या के बारे में तथा बाल विवाह के दुष्परिणाम एवं सजा के बारे में भी विस्तार से जानकारी देकर लाडली लक्ष्मी योजना और सुविधाओ का लाभ उठाकर भविष्य को सुनिश्चित करने का आह्वान किया सेक्टर सुपरवाइजर श्रीमती सीमा सोलंकी रतनगढ़ द्वारा उपस्थित बालिकाओं को बताया गया की बालिकाओं में खून की कमी के क्या कारण है एवं कैसे हम खून की कमी को दूर कर सकते हैं साथ ही पोषक तत्वों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में वार्ड की समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं लाडली लक्ष्मी बालिकाएं उपस्थिति रही।

संवेदनशील पहलः रिनोवेशन से परेशान छात्राओं को कलेक्टर ने दिलाया नया आशियाना

पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रावास की बालिकाओं को मिली राहत

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की संवेदनशील पहल से पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक बालिका छात्रावास की छात्राओं की आवास संबंधी समस्या का तत्काल समाधान हो गया है।

समस्या का निराकरण- 36 नंबर स्कीम में संचालित पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक बालिका छात्रावास में मरम्मत एवं पुनर्निर्माण कार्य जारी होने के कारण छात्राओं को हो रही असुविधा को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्री चंद्रा ने तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था के निर्देश दिए। शनिवार को छात्राओं ने कलेक्टर से भेंट कर रिनोवेशन कार्य के कारण हो रही परेशानी बताते हुए अन्यत्र रहने की व्यवस्था करने की मांग की थी। कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला संयोजक को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

नई व्यवस्था- कलेक्टर के निर्देशानुसार पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक बालिका छात्रावास की सभी बालिकाओं के लिए आनंद विहार के पास संचालित अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास क्रमांक-1 में आवासीय व्यवस्था की गई है।

जिला संयोजक, आदिम जाति कल्याण ने बताया कि कलेक्टर के निर्देशों के परिपालन में छात्राओं को तत्काल प्रभाव से नए छात्रावास में शिफ्ट कर समुचित सुविधाएं उपलब्ध करा दी गई हैं। अब छात्राएं सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण में रहकर अपनी पढ़ाई जारी रख सकेंगी।

कलेक्टर श्री चंद्रा ने कहा कि विद्यार्थियों की सुविधा एवं सुरक्षा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। रिनोवेशन कार्य पूर्ण होने तक छात्राएं नए छात्रावास में रहेंगी।

नीमच में गूंजे 'जय गुरुदेव', दिगंबर संतों का भव्य मंगल प्रवेश, शहर बना श्रद्धा का पथ

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर ने शुक्रवार सुबह एक दिव्य दृश्य देखा, जब दिगंबर जैन संतों का भव्य मंगल प्रवेश हुआ। मुनि श्री वैराग्य सागर जी महाराज और मुनि श्री सुप्रभ सागर जी महाराज का विहार बरूखेड़ा स्थित विजय विनायका जैन ब्रोकर के फार्म हाउस से प्रारंभ हुआ। प्रातः करीब 7 बजे जैसे ही दोनों मुनिराज कलेक्टर चौराहे पहुंचे, श्रद्धा उमड़ पड़ी।

दिगंबर जैन समाज के श्रावक-श्राविकाओं ने भावपूर्ण आगवानी की–हर चेहरे पर भक्ति, हर कदम पर समर्पण। इसके बाद कलेक्टर चौराहे से श्री दिगंबर जैन पारसनाथ मंदिर तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। आगे-आगे बैंड-बाजे, हाथी-घोड़ेज और पीछे श्रद्धालुओं का सैलाब। रास्तेभर जगह-जगह मुनिराजों का पाद प्रक्षालन किया गया–और गूंजता रहा एक ही स्वरज

यह शोभायात्रा 40 चौराहे के पीछे स्थित पारसनाथ मंदिर पहुंचकर सम्पन्न हुई, जहां वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा।

ये सिर्फ यात्रा नहीं थी ये संयम, साधना और श्रद्धा का चलता-फिरता उत्सव था!

NAME CHANGE

I TASNEEM KATTHAWALA D/O SAIFUDDIN KATTHAWALA HAVE CHANGE MY NAME TO TASNEEM KOHINOOR W/O MURTAZA KOHINOOR. FOR ALL FUTURE PURPOSES.

TASNEEM KOHINOOR W/O MURTAZA KOHINOOR.113/1 M. G. ROAD KOHINOOR STORE DEWAS. M. P. 455001

NAME CHANGE

I MOIZ S/O ABBAS ALI SAIFEE HAVE CHANGE MY NAME TO MOIZ ALI SAIFEE S/O ABBAS ALI SAIFEE. FOR ALL FUTURE PURPOSES.

MOIZ ALI SAIFEE S/O ABBAS ALI SAIFEE.

C-2 SHIVOM ESTATE STATION ROAD DEWAS. M. P. 455001

सम्पादकीय

आनंद और अवसाद और सुख और पीड़ा, जीवन के अलग-अलग सोपान

सुख और दुख दो ऐसे सोपान हैं जिन पर चलकर ही मनुष्य अपनी संपूर्णता को समझ पाता है। जीवन कभी एक सीधी रेखा की तरह नहीं चलता, उसमें उतार-चढ़ाव, सुख-दुःख, आशा-निराशा, संभावनाएं और आशंकाएं निरंतर एक-दूसरे में गुंथी रहती हैं। जैसे प्रकृति में दिन और रात का क्रम है, जैसे ऋतुएं बदलती हैं, वैसे ही मनुष्य के भीतर भी भावनाओं का आवागमन होता रहता है। यदि केवल आनंद ही होता तो उसकी पहचान भी संभव नहीं होती और यदि केवल अवसाद ही होता तो जीवन का अस्तित्व ही संकट में पड़ जाता, इसलिए इन दोनों का सह-अस्तित्व ही जीवन को अर्थ देता है।

गौतम बुद्ध ने अपने उपदेशों में कहा कि जीवन दुःखों से भरा है, परंतु उससे मुक्ति का मार्ग भी संभव है। यह दृष्टिकोण हमें यह समझाता है कि अवसाद स्थायी सत्य नहीं बल्कि एक परिवर्तनशील अवस्था है जिसे समझकर पार किया जा सकता है, इसी तरह स्वामी विवेकानंद का प्रसिद्ध आह्वान उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए जीवन के संघर्षों के बीच आशा की ज्योति बनकर मार्ग दिखाता है, जब मनुष्य अवसाद में डूबता है तब उसे लगता है कि सब कुछ समाप्त हो गया है, परंतु यही वह क्षण होता है जब भीतर छिपी शक्ति जागृत हो सकती है, इतिहास इस बात का साक्षी है कि महान व्यक्तित्वों ने गहरे अवसाद और संघर्षों को पार करके ही ऊंचाइयों को छुआ है, अब्राहम लिंकन का जीवन इसका सशक्त उदाहरण है, उन्होंने अनेक बार असफलताओं का सामना किया, चुनावों में हार का सामना किया, व्यक्तिगत जीवन में गहन पीड़ा झेली, फिर भी उन्होंने अपने संकल्प को नहीं छोड़ा और अंततः वे अमेरिका के राष्ट्रपति बने, यह हमें सिखाता है कि अवसाद अंत नहीं बल्कि एक नई शुरुआत का द्वार भी हो सकता है।

इसी प्रकार महात्मा गांधी ने कहा था कि मनुष्य अपने विचारों से निर्मित प्राणी है, वह जैसा सोचता है वैसा बन जाता है। यह कथन स्पष्ट करता है कि आनंद और अवसाद दोनों का मूल हमारे भीतर है, परिस्थितियां बाहरी होती हैं परंतु उनका प्रभाव हमारे दृष्टिकोण पर निर्भर करता है, यदि हम सकारात्मक दृष्टि बनाए रखें तो कठिन परिस्थितियों में भी आशा की किरण दिखाई देती है। जीवन में सुख के क्षण हमें ऊर्जा और उत्साह देते हैं जबकि दुःख के क्षण हमें धैर्य, सहनशीलता और गहराई प्रदान करते हैं, यदि केवल आनंद ही हो तो मनुष्य सतही बन सकता है और यदि केवल अवसाद ही हो तो वह टूट सकता है, परंतु इन दोनों के संतुलन से ही वह परिपक्व और संवेदनशील बनता है। आधुनिक समय में अवसाद एक गंभीर सामाजिक और मानसिक समस्या के रूप में उभर रहा है, तेज प्रतिस्पर्धा, अकेलापन, सामाजिक अपेक्षाएं और असफलता का भय मनुष्य को भीतर से कमजोर कर रहा है, ऐसे समय में यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि अवसाद कोई कमजोरी नहीं बल्कि एक संकेत है कि हमें अपने भीतर झांकने और स्वयं को समझने की आवश्यकता है।

रवीन्द्रनाथ ठाकुर की पंक्ति यदि तुम रोओगे क्योंकि सूर्य अस्त हो गया है, तो तुम तारों को नहीं देख पाओगे । जीवन के गहन सत्य को उद्घाटित करती है कि हर अंत के भीतर एक नई शुरुआत छिपी होती है, आनंद और अवसाद दोनों ही हमारे शिक्षक हैं, आनंद हमें कृतज्ञता और संतोष सिखाता है जबकि अवसाद हमें आत्ममंथन और आत्मबोध की ओर ले जाता है, जब मनुष्य अपने दुःख को समझता है तो वह दूसरों के दुःख को भी अनुभव करने लगता है और यहीं से करुणा, संवेदनशीलता और मानवता का विकास होता है, इसलिए यह कहना अनुचित नहीं होगा कि अवसाद भी जीवन का एक आवश्यक अध्याय है, यह हमें भीतर से मजबूत बनाने की प्रक्रिया का हिस्सा है, जीवन की यात्रा में अनेक मोड़ आते हैं, कभी सफलता मिलती है तो कभी असफलता, कभी संबंधों में मधुरता होती है तो कभी कटुता, कभी आशाएं पंख फैलाती हैं तो कभी आशंकाएं मन को घेर लेती हैं, परंतु इन सबके बीच यदि हम संतुलन बनाए रखें, धैर्य और विश्वास को थामे रखें और यह समझें कि हर स्थिति अस्थायी है तो हम जीवन को अधिक सहजता और संतुलन के साथ जी सकते हैं। डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा था कि सपने वो नहीं होते जो हम सोते समय देखते हैं, सपने वो होते हैं जो हमें सोने नहीं देते है। यह कथन आशा और संभावनाओं की शक्ति को दर्शाता है, जीवन में चाहे कितनी भी कठिनाइयां क्यों न आएं, यदि हमारे भीतर एक लक्ष्य और एक विश्वास जीवित है तो हम हर अवसाद को पार कर सकते हैं, अंततः जीवन एक निरंतर बहती हुई धारा है जिसमें आनंद और अवसाद दोनों ही लहरों की तरह आते-जाते रहते हैं, हमें इन लहरों से डरना नहीं बल्कि इनके साथ संतुलन बनाकर चलना सीखना है, अपने भीतर आशा का दीप जलाए रखना है और यह विश्वास बनाए रखना है कि हर अंधेरी रात के बाद एक उजली सुबह अवश्य आती है, यही विश्वास जीवन को सार्थक, सुंदर और पूर्ण बनाता।

भय, अहंकार और क्रोध का त्याग ही भक्ति का प्रारंभ है

ज्ञान रुपी चक्षु कोई भी जन्म से ही लेकर नहीं पैदा होता। और न ही इसे कोई स्वयं अपने बलबूते पर धारण कर सकता है। इसे धारण करने के लिए किसी ज्ञानी का सानिध्य जरूरी है। यहां तक कि राम चंद्र जी जैसे अवतरित महापुरुष ने भी इस ज्ञान रूपी चक्षु को धारण करने के लिए ऋषि मुनियों का ही आशीर्वाद लिया था और आम जन की यह किस्मत पर निर्भर करता है कि उसे जीवन भर कोई ऐसा संग मिल भी पाता है या नहीं। कई बार हमारी आंखों के सामने राह होती है और हम पहचान नहीं पाते हैं।

ज्ञान अर्जित महानुभावों का कहना है कि प्रत्येक मनुष्य में ज्ञान होता है किन्तु अज्ञान उसे आच्छादित किये रहता है। उस अज्ञान के हटने पर ही मनुष्य को ज्ञान की अनुभूति होती है और अज्ञान तभी हटता है जब मनुष्य का अंतःकरण पूर्णतः शुद्ध हो। ब्रम्हज्ञान पाने का अधिकारी केवल वही साधक है जिसका अंतःकरण शुद्ध होगा।

सहज योग ध्यान एक ऐसी प्रक्रिया है जिससे नाड़ियों व चक्रों की शुद्धता होती है भय, अहंकार और क्रोध को त्यागकर ही हम पूर्णतः शुद्ध हो सकते हैं। चक्रों में पहले चक्र मूलाधार चक्र पर ध्यान करके हम सत्सत् विवेक व बोध प्राप्त करते हैं जिससे हमें अपने स्व को पहचानने का अवसर मिलता है। ध्यान के दौरान कुंडलिनी शक्ति सभी चक्रों को प्रकाशित करते हुये जब सहस्त्रार का भेदन करती है, ज्ञान चक्षु खुल जाते हैं। इस ज्ञान चक्षु से हम ईश्वरीय चेतना से अभिभूत होते हैं और सत्य व यथार्थ की अनुभूति होती है। ईश्वरीय साम्राज्य में प्रवेश करने से बढ़कर कोई और ज्ञान नहीं है। हमारे अंदर व्याप्त अंधकार छंटने लगता है और हम अपने को और दूसरों को भी सही प्रकार से देख पाते हैं।

योग के अनेक प्रकार हैं। परंतु, सहज योग से कम समय में तथा सांसारिक जीवन में रहते हुए आत्मसाक्षात्कार पाना संभव होता है।

एक शुद्ध इच्छा लेकर सहज योग से जुड़े। सहज योग के सेंटर्स पर नये साधकों का हम हृदय से स्वागत करते हैं।

बरगी हादसाः जब सुरक्षा कागजों में और मौत हकीकत में निकली

जबलपुर, मध्यप्रदेश स्थित बरगी डैम पर 30 अप्रैल 2026 की शाम घटित क्रूज हादसा नर्मदा के शांत जल पर पसरी सामान्यता को अचानक भयावह त्रासदी में बदल गया। सैर-सपाटे और आनंद के बीच अचानक आए तेज तूफान ने क्रूज को पलट दिया, जिससे कई पर्यटक गहरे संकट में फंस गए। इस दुखद घटना में अब तक नौ लोगों की मृत्यु की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं, जबकि कुछ लोग अब भी लापता हैं। एक मां और उसके चार वर्षीय पुत्र का एक साथ मिला शव इस हादसे की मार्मिकता को और अधिक पीड़ादायक बना देता है। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि यह दुर्घटना केवल मौसम की मार नहीं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्थाओं में गंभीर चूक का परिणाम है।

यात्रा शुरू होते ही सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियाँ सामने आने लगीं। लगभग 40 यात्रियों से भरा क्रूज आगे बढ़ते ही अचानक बदलते मौसम की चपेट में आ गया। सर्वाइवर्स के अनुसार तेज हवा शुरू होते ही उन्होंने बार-बार क्रूज को किनारे लौटाने की अपील की, लेकिन उस पर ध्यान नहीं दिया गया। सबसे बड़ी चूक यह रही कि लाइफ जैकेट पहले से उपलब्ध नहीं कराई गई और संकट बढ़ने पर ही जल्दबाजी में बांटी गई, जिससे अव्यवस्था फैल गई और कई लोग उन्हें ठीक से पहन भी नहीं सके। कुछ जैकेट्स की गुणवत्ता पर भी सवाल उठ रहे हैं। सर्वाइवर्स के अनुसार, आपात स्थिति में क्रू स्टाफ ने उचित मार्गदर्शन देने के बजाय पर्याप्त मदद नहीं की। कुछ सर्वाइवर्स और रिपोर्ट्स में ओवरलोडिंग के कारण क्रूज का संतुलन कमजोर होने का संदेह जताया जा रहा है।

यह दुर्घटना पर्यावरणीय नियमों की गंभीर अवहेलना को उजागर करती है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने नर्मदा जैसे संवेदनशील जल क्षेत्रों में डीजल चालित क्रूज और नावों के संचालन पर प्रतिबंध लगाया था, जिसे उच्चतम न्यायालय ने भी बरकरार रखा, फिर भी बरगी डैम में इन नियमों की अनदेखी कर संचालन जारी रहा। इससे जल प्रदूषण बढ़ा, पारिस्थितिक संतुलन और यात्रियों की सुरक्षा खतरे में पड़ी। मौसम विभाग की तेज आंधी और तेज हवाओं (60-70 किमी प्रति घंटे) की चेतावनी के बावजूद इसे गंभीरता से नहीं लिया गया। क्रूज को समय रहते रोका नहीं गया और न ही सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। साथ ही, रियल-टाइम मौसम अलर्ट और प्रभावी आपातकालीन व्यवस्था का अभाव इस त्रासदी को और भयावह बना गया।

लगातार दोहराई जा रही ये घटनाएं साफ दिखाती हैं कि चेतावनियों के बावजूद व्यवस्था में सुधार नहीं हो पाया है। देश के पहाड़ी झीलों, समुद्री तटों और बांध क्षेत्रों में नाव दुर्घटनाएं बार-बार ओवरलोडिंग, लाइफ जैकेट की कमी, अप्रशिक्षित क्रू और मौसम चेतावनियों की अनदेखी के कारण होती रही हैं। बरगी हादसे में भी शुरुआती बचाव स्थानीय मछुआरों और लोगों ने किया, जबकि एसडीआरएफ और राहत दल देर से पहुंचे। यह स्थिति पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर कमजोरी को उजागर करती है। नावों के नियमित निरीक्षण, क्षमता सीमा का पालन और क्रू प्रशिक्षण जैसे बुनियादी नियम आज भी पर्याप्त गंभीरता से लागू नहीं किए जाते।

इस भयावह दुर्घटना के बाद प्रशासन ने त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए पूरे राज्य में क्रूज और बोट संचालन पर अस्थायी रोक लगा दी तथा विस्तृत जांच के आदेश जारी किए। मृतकों के परिजनों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की गई है और घायलों के उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। कई घंटों तक चले बचाव अभियान में लगभग 27-28 लोगों को सुरक्षित निकाला गया, फिर भी कुछ परिवार अपने लापता परिजनों की तलाश में व्याकुल हैं। यह आवश्यक है कि यह जांच केवल दोष निर्धारण तक सीमित न रहे, बल्कि पूरे बोटिंग तंत्र में सुरक्षा, निगरानी और नियम पालन को मजबूत करने की दिशा में ठोस बदलाव लाए।

यह दुखद घटना इस सच्चाई को उजागर करती है कि पर्यटन को व्यावसायिक लाभ का साधन बनाते हुए मानव जीवन की सुरक्षा को अक्सर पीछे छोड़ दिया जाता है। कई स्थानों पर नावों का पंजीकरण, सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता और आपातकालीन योजनाएं केवल औपचारिक दस्तावेज बनकर रह जाती हैं। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल और न्यायालय के निर्देशों की अनदेखी पर्यावरण और जन सुरक्षा के प्रति गंभीर लापरवाही दिखाती है। यदि समय रहते क्रूज संचालन रोका जाता, लाइफ जैकेट पहले उपलब्ध कराई जातीं और मौसम चेतावनी पर कार्रवाई होती, तो इस त्रासदी को टाला जा सकता था। अब नौ परिवारों के उजड़ने के बाद सुधार की चर्चा हो रही है।

बरगी बांध की यह दुखद घटना अंततः एक सख्त संदेश छोड़ जाती है कि पर्यटन और विकास की दौड़ में सुरक्षा से समझौता अब किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं हो सकता। देश के सभी प्रमुख बांधों, झीलों और पर्यटन स्थलों पर तुरंत व्यापक सुरक्षा परीक्षण कराना आवश्यक है। हर यात्रा की शुरुआत से पहले लाइफ जैकेट का अनिवार्य उपयोग सुनिश्चित किया जाए और मौसम आधारित रियल-टाइम चेतावनी प्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। डीजल क्रूज पर प्रतिबंधों का कठोर पालन हो तथा क्रू सदस्यों का नियमित प्रशिक्षण अनिवार्य किया जाए। ओवरलोडिंग पर सख्त दंड व्यवस्था लागू कर, निजी और सरकारी दोनों ऑपरेटरों की समान जवाबदेही तय करना अब अनिवार्य है।

बरगी की यह भयावह त्रासदी समय के पन्नों पर एक गहरी टीस छोड़ गई है, जिसे भुलाना संभव नहीं। मां और मासूम पुत्र का एक साथ मिला दृश्य तथा नौ निर्दोष जिंदगियों का असमय अंत यह कठोर सत्य सामने लाता है कि सुरक्षा में जरा-सी भी चूक विनाश का रूप ले सकती है। यदि अब भी चेतना नहीं जागी और ठोस सुधार लागू नहीं हुए, तो ऐसी घटनाओं को रोक पाना असंभव होगा। अब समय आ गया है कि पर्यटन को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि पूर्ण सुरक्षा, उत्तरदायित्व और सख्त नियंत्रण के साथ संचालित किया जाए, ताकि सुकून की तलाश में निकले लोग लापरवाही की भेंट न चढ़ें। यह त्रासदी व्यवस्था में निर्णायक और व्यापक परिवर्तन की अनिवार्य पुकार बन चुकी है।

-प्रो. आरके जैन

आजीविका का संकट बढ़ाएगी बढ़ती गर्मी

एक हालिया आकलन के अनुसार दुनिया के सौ सबसे गर्म शहरों में से 98 भारत में हैं। भीषण गर्मी अपने साथ तमाम मुश्किलें लाती हैं। ये मुश्किलें उस तबके के लिए और विकराल बन जाती हैं, जिन्हें आजीविका के लिए खुले आसमान के नीचे काम करना पड़ता है। स्वाभाविक है कि उनके समक्ष आजीविका का संकट पैदा होता है, क्योंकि उनके लिए किए जाने वाले उपाय पर्याप्त नहीं होते। इससे न केवल श्रमिकों, बल्कि देश की उत्पादकता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कई शोध भी इसी ओर संकेत करते हैं। इस समस्या का समाधान तलाशने की दिशा में इनके निष्कर्षों पर विचार किया जाना चाहिए। इसमें पहला पैमाना शारीरिक पहलुओं से जुड़ा है।

श्री रामचंद्र संस्थान की विद्या वेणुगोपाल, पीके लता और रेखा षणमुगम का 2026 से संबंधित एक अध्ययन साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित हुआ है। इसमें तमिलनाडु के 11 जिलों के उन 1,560 श्रमिकों की गतिविधियों पर दो वर्ष तक नजर रखी गई, जिन्हें कामकाज के लिए बाहर निकलना पड़ता था। अध्ययन में सामने आया कि गर्मियों के दौरान औसत तापमान 29.9 डिग्री सेल्सियस था, जो 27.5 डिग्री सेल्सियस की अधिकतम बर्दाश्त योग्य सीमा से भी ऊपर था। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार तापमान की इस सीमा से ऊपर निरंतर भारी काम करना असुरक्षित माना जाता है। पर्यवेक्षण समीक्षा के अधीन 88 प्रतिशत श्रमिकों को इस उच्च तापीय परिस्थितियों में काम करना पड़ा।

इनमें से 61 प्रतिशत की उत्पादकता में गिरावट दर्ज की गई। भीषण गर्मी के संपर्क में आने वाले श्रमिकों की उत्पादकता में गिरावट की आशंका भी डेढ़ गुना अधिक थी। इनमें 15 प्रतिशत कर्मियों के समक्ष रोजगार छिनने का संकट भी मंडराया, जबकि सर्दियों में उनका प्रतिशत 9.3 ही रहा। दूसरा पहलू वृहद आर्थिक स्तर से जुड़ा है। जर्नल आफ पालिटिकल इकोनमी में सोमनाथन और उनकी टीम का उत्पादकता और श्रम आपूर्ति पर तापमान के प्रभाव शीर्षक से एक शोध प्रकाशित हुआ था। इसमें सूरत के बुनकरों, एनसीआर और हैदराबाद की गारमेंट-सिलाई लाइनों और भिलाई मिल में स्टील शिफ्टों की परिस्थितियों का विश्लेषण किया गया। इसका निष्कर्ष यह था कि तापमान में प्रति डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने पर वार्षिक फैक्ट्री उत्पादन में लगभग दो प्रतिशत की गिरावट आई। हालांकि यह डाटा 2012 तक का ही है, पर इसके निष्कर्षों का निहितार्थ यह है कि गर्मियों का असर पूंजी या कच्चे माल से अधिक श्रम उत्पादकता पर कहीं गहरा पड़ता है। स्पष्ट है कामकाजी स्थल के भीतर एयर कंडीशनर उत्पादकता में गिरावट को तो थाम सकता है, पर उपस्थिति को नहीं। ऐसा इसलिए, क्योंकि एसी वाले कार्यस्थल से निकलकर श्रमिकों को आम तौर पर उन्हीं आवासों में जाना पड़ता है, जहां ऐसी सुविधा नहीं होती और पारा अमूमन 45 डिग्री को पार कर जाता है। गर्मी का तीसरा पहलू मानवीय संवेदनाओं से जुड़ा है।

-धनंजय राजौरा

आईसीयू के अमानवीय एवं अनैतिक पक्षों की निगरानी जरूरी

देश में स्वास्थ्य सेवा की वर्तमान स्थिति पर विचार करते समय एक अत्यंत चिंताजनक, मानवीय और संवेदनशील प्रश्न सामने आता है-क्या चिकित्सा अब सेवा न रहकर व्यवसाय का कठोर रूप एवं एक त्रासदी बनती जा रही है? विशेष रूप से निजी अस्पतालों के आईसीयू (गहन चिकित्सा कक्ष) से जुड़े मामलों ने इस प्रश्न को और अधिक तीखा बना दिया है। ऐसे अनेक उदाहरण सामने आए हैं, जहां मरीज के चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो जाने के बावजूद उसे आईसीयू में रोके रखा जाता है। इसके पीछे का कारण अक्सर चिकित्सा की अनिवार्यता नहीं, बल्कि आर्थिक लाभ की निरंतर चलती प्रक्रिया होती है। यह स्थिति न केवल चिकित्सा के नैतिकता एवं सेवाभावना पर प्रश्नचिह्न लगाती है, बल्कि मानवता की मूल संवेदनाओं को भी झकझोरती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आईसीयू के लिए एकसमान दिशानिर्देशों की आवश्यकता पर बल देना इस गंभीर समस्या की स्वीकारोक्ति भी है और समाधान की दिशा में एक सार्थक पहल भी। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि जो मरीज चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके हैं या जिन्हें गहन निगरानी अथवा जीवन रक्षक उपकरणों की आवश्यकता नहीं है, उन्हें अनावश्यक रूप से आईसीयू में नहीं रखा जाना चाहिए। यह निर्देश केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि गहरे नैतिक आधार पर टिका हुआ है। यह हमें याद दिलाता है कि चिकित्सा का मूल उद्देश्य जीवन की रक्षा और पीड़ा का निवारण है, न कि आर्थिक लाभ का अधिकतमकरण।

सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट के ये दिशानिर्देश एक सरल व सामान्य सिद्धांत की पुष्टि करते हुए इस विसंगति को दूर करने का प्रयास करते हैं कि किसी भी अस्पताल का आईसीयू मरीज की अनिश्चितकालीन देखभाल के लिए नहीं होता है। इन दिशानिर्देशों में यह निर्दिष्ट किया गया है कि चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके या जिन मरीजों के अंगों को बाहरी सहायता अथवा शारीरिक निगरानी की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जानी चाहिए। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत ने समस्या के यथाशीघ्र समाधान की जरूरत पर बल दिया है। अदालत ने डॉक्टरों की प्रतिष्ठा को संरक्षित करते हुए चिकित्सा संस्थानों व अस्पतालों की जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया है। निश्चित तौर पर आधुनिक चिकित्सा खर्चीली हो गई और बेहतर सुविधाओं के लिए बड़ी रकम चुकानी होती है। लेकिन इस व्यवस्था में सेवा का भाव न होकर व्यवसाय की भावना का अधिक होना चिन्ताजनक है। इसी के कारण इसमें अनेक विसंगतियां एवं क्रूरताएं व्याप्त होती जा रही है, इसके नियमन का कार्य यूं तो देश के नीति-नियंताओं और शासन-प्रशासन को करना चाहिए था। लेकिन विडंबना यह है कि अदालत को ऐसे मामलों में पहल करनी पड़ती है।

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक समान गहन चिकित्सा ईकाई दिशानिर्देशों की जरूरत बताना विसंगतियों से जूझती आईसीयू प्रणाली के लिए एक आशा की किरण लेकर आई है। वास्तव में आईसीयू एक विशेष सुविधा है, जिसका उपयोग केवल उन मरीजों के लिए होना चाहिए जिनकी स्थिति गंभीर हो और जिन्हें निरंतर निगरानी या अत्याधुनिक उपकरणों की आवश्यकता हो। किंतु जब इस सुविधा का उपयोग लाभ कमाने के साधन के रूप में होने लगे, तब यह व्यवस्था एक प्रकार की अमानवीयता में परिवर्तित हो जाती है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए आईसीयू का खर्च अक्सर असहनीय होता है। एक दिन का खर्च हजारों से लेकर लाखों तक पहुंच सकता है। ऐसे में यदि मरीज को अनावश्यक रूप से वहां रोका जाता है, तो यह केवल आर्थिक शोषण नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक उत्पीड़न भी है। यह स्थिति इसलिए भी जटिल हो जाती है क्योंकि आमजन को चिकित्सा प्रक्रियाओं की गहन जानकारी नहीं होती। मरीज के परिजन डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन के निर्देशों पर पूरी तरह निर्भर होते हैं। इस निर्भरता का दुरुपयोग तब होता है जब पारदर्शिता का अभाव होता है। कई बार मरीज को वास्तविक स्थिति से अवगत नहीं कराया जाता और उसे आईसीयू में बनाए रखने के निर्णय को अंतिम सत्य की तरह प्रस्तुत कर दिया जाता है। इस प्रकार एक अस्पष्टता का वातावरण बनता है, जिसमें सत्य और लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है।

यदि हम इस समस्या की जड़ में जाएं, तो पाएंगे कि यह केवल अस्पतालों या डॉक्टरों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक व्यवस्थागत विफलता का परिणाम है। आजादी के बाद शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सरकार के अधीन रखकर यह अपेक्षा की गई थी कि ये क्षेत्र जनसेवा के आदर्श उदाहरण बनेंगे। किंतु समय के साथ आर्थिक उदारीकरण और निजीकरण के प्रभाव ने इन क्षेत्रों की दिशा बदल दी। शिक्षा जहां एक महंगा व्यवसाय बन गई, वहीं चिकित्सा सेवा भी धीरे-धीरे लाभ कमाने का माध्यम बनती चली गई। यह कहना अनुचित नहीं होगा कि आज चिकित्सा क्षेत्र में एक प्रकार की ÷व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा÷ चल रही है, जिसमें मरीज एक ग्राहक की तरह देखा जाने लगा है। बड़े-बड़े निजी अस्पताल आधुनिक सुविधाओं से लैस होकर तेजी से बढ़ रहे हैं, जो एक दृष्टि से सकारात्मक है, लेकिन जब इन सुविधाओं का उपयोग केवल आर्थिक लाभ के लिए होने लगे, तब यह चिंता का विषय बन जाता है। अस्पतालों की संख्या बढ़ना अच्छा है, लेकिन उनकी कार्यप्रणाली में लोभ की प्रवृत्ति का बढ़ना जहां गहन घातक है, वही उसमें मानवीय संवेदना और नैतिकता का समावेश होना अधिक आवश्यक है।

इसी संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देश एक आशा की किरण के रूप में सामने आते हैं। इन दिशानिर्देशों में न केवल मरीजों के अधिकारों की रक्षा की बात की गई है, बल्कि अस्पतालों की जवाबदेही भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है। नर्स और मरीज के अनुपात, विशेषज्ञों की उपलब्धता, बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षण जैसे पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयास स्वास्थ्य सेवा को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और न्यायसंगत बनाने की दिशा में मार्ग प्रशस्त कर सकता है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि किसी भी नीति या दिशानिर्देश की सफलता उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। भारत में अनेक बार देखा गया है कि अच्छे इरादों से बनाई गई योजनाएं केवल कागजों तक सीमित रह जाती हैं। यदि इन दिशानिर्देशों का पालन भी आधे-अधूरे मन से किया गया, तो यह प्रयास भी अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पाएगा। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, पर्याप्त वित्तीय संसाधन और मजबूत प्रशासनिक ढांचे की आवश्यकता होगी। साथ ही यह भी आवश्यक है कि इस पूरी प्रक्रिया में मानवीय दृष्टिकोण को केंद्र में रखा जाए। आईसीयू में लंबे समय तक भर्ती रहना केवल आर्थिक बोझ नहीं, बल्कि मानसिक पीड़ा का भी कारण होता है। मरीज और उसके परिवार दोनों ही एक अनिश्चितता और भय के वातावरण में जीते हैं। ऐसे में यदि मरीज को उसकी वास्तविक आवश्यकता के अनुसार उचित वार्ड में स्थानांतरित किया जाता है, तो यह न केवल खर्च को कम करता है, बल्कि उसे मानसिक राहत भी प्रदान करता है।

वर्ष 2047 तक एक विकसित और सशक्त भारत का सपना देखते हुए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था केवल तकनीकी रूप से उन्नत ही न हो, बल्कि नैतिक और मानवीय दृष्टि से भी समृद्ध हो। चिकित्सा सेवा का मूल स्वरूप करुणा, सेवा और संवेदना पर आधारित होना चाहिए। यदि यह आधार कमजोर हो जाता है, तो सारी आधुनिकता और प्रगति भी अधूरी रह जाती है। अंततः यह कहा जा सकता है कि आईसीयू से जुड़े दिशानिर्देश केवल एक प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि एक नैतिक पुनर्जागरण का संकेत हैं। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करते हैं कि क्या हम वास्तव में एक ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं, जो मानवता के मूल्यों के अनुरूप हो। यदि इस दिशा में ठोस और ईमानदार प्रयास किए गए, तो निश्चित रूप से यह पहल भारत की स्वास्थ्य प्रणाली को अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और न्यायसंगत बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

-ललित गर्ग

बम की तरह फट सकते हैं हिमालयी-हिमनद

जलवायु परिवर्तन का सीधा असर उच्च हिमालयी क्षेत्रों पर भी स्पष्ट दिखाई देने लगा है। यहां तक की जिन हिमनद (ग्लेषियर) झीलों के आसपास मानव की आवाजाही अत्यंत सीमित है, वहां भी अब जलवायु परिवर्तन के चलते मौसम का मिजाज खतरे की घंटी बजाने लगा है। कुछ हिम झीलों का आकार तेजी से सिकुड़ रहा है तो कुछ का आकार आष्चर्यजनक ढंग से बढ़ भी रहा है। ऐसी 130 झीलें चिन्हित की गई है, जो क्षमता से अधिक आकार बढ़ने की स्थिति में बम की तरह फट सकती हैं। ऐसा होता है तो निचले क्षेत्रों में बसी बस्तियों में प्रलय का तांडव देखने में आ सकता है। हिमनद झीलों के अनियंत्रित ढंग से बढ़ते आकार की ठोस सच्चाई इसरो के उपग्रहों से लीं गईं तस्वीरों के अध्ययन से सामने आई है। इस स्थिति ने विज्ञानियों की चिंता बढ़ा दी है। हिंदुकुष क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन पर काम कर रहे वाडिया हिमालय भू-विज्ञान संस्थान के पूर्व वरिश्ठ विज्ञानी डॉ पीएस नेगी ने रिपोर्ट को गंभीरता से लेने की जरूरत जताई है।

रिपोर्ट के अनुसार वर्श 1984 से 2023 तक किए गए उपग्रह अध्ययन से पता चला है कि कुल 2431 बड़ी झीलें चिन्हित की गई हैं। इनका आकार 10 हैक्टेयर से अधिक है। इनमें से 676 झीलों का आकार 27 प्रतिषत से अधिक बढ़ गया है। इनमें से 130 झीलें सबसे ज्यादा संवेदनषील हैं। हिमाचल प्रदेष की गेफांग घाट झील का आकार सर्वाधिक 178 प्रतिषत बढ़ा है। इसका कुल क्षेत्रफल 101.3 हैक्टेयर हो गया है। हिमालयी क्षेत्र में 10 लाख लोग ग्लेषियर झीलों के 10 किमी के दायरे में रहते हैं। याद रहे पिछले साल पांच अगस्त 2025 को उत्तराखंड के उत्तरकाषी जिले में धराली गांव के खीर क्षेत्र में बादल फटने के कारण भीशण बाढ़ और मलबे में यह पूरा क्षेत्र डूब गया था। बादल फटने से हुई तेज बारिष ने गंगोत्री और हर्शिल के क्षेत्र में आने वाली हिमनद झीलों को नाले में बदल दिया था। इस क्षेत्र में किए गए विभिन्न अध्ययनों के अनुसार हिमालय में छोटी-बड़ी सभी तरह की झीलों की संख्या आठ हजार से भी अधिक है। 1990 के बाद से यहां 1000 के करीब नए हिमनद अस्तित्व में आ गए है। डॉ नेगी का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के चलते बड़ी मात्रा में बर्फ गिरती है तो हिमनद झीलों का आकार तो बढ़ता ही है, इनके फटने का खतरा भी बढ़ जाता है। अतएव इनकी निरंतर निगरानी रखने की जरूरत है।

पोट्सडैम जलवायु प्रभाव षोध संस्थान के वैज्ञानिक-प्राध्यापक एंडर्स लीवरमैन ने धरती के बढ़ते तापमान की वजह से भारत में बारिष पर होने वाले प्रभावों का अध्ययन किया है। एंडर्स के मुताबिक जितनी बार धरती का पारा वैष्विक तापमान के चलते एक डिग्री सेल्सियस ऊपर चढ़ेगा, उतनी ही बार भारत में मानसूनी बारिष 5 प्रतिषत अधिक होगी। मानसूनी बारिष का वास्तविक अंदाजा लगाना भी कठिन हो जाएगा। यह अध्ययन 'अर्थ सिस्टम डायनेमिक्स' जर्नल में छपा है। भारत में आमतौर पर बारिष का सीजन जून के महीने से षुरू होता है और सितंबर के अंत तक चलता है। एंडर्स का कहना है कि इस सदी के अंत तक साल दर साल वैष्विक तापमान की वजह से तापमान बढ़ेगा। नतीजतन भारत में मानसूनी बारिष तबाही मचाएगी। इससे ज्यादा बाढ़ आएगी, जिससे लाखों एकड़ में फैली फसलें खराब होंगी। यह इस पीढ़ी का जलवायु परिवर्तन का नमूना है, जो भारत की मानसूनी बारिष के अगले चार सालों का अनुमान लगाता है। यह अनुमान वैष्विक तापमान के बढ़ते क्रम के आधार पर लगाया जाता है। पेरिस जलवायु समझौते के अनुबंध के तहत अधिकतम तापमान दो डिग्री सेल्सियस को तय मानक माना जाता है। इसी नमूने से दुनिया के अलग-अलग देषों में मानसूनी या तूफानी बारिष की गणना की जाती है। दुनिया में अनियमित एवं षक्तिषाली मौसम के खतरे बढ़ रहे हैं।

इस अध्ययन के अलावा संयुक्त राश्ट्र द्वारा 2020 में किए गए एक अध्ययन से भी स्पश्ट हुआ था कि जलवायु परिवर्तन और पानी का अटूट संबंध है। इस रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण एषिया को 2030 तक बाढ़ों की कीमत प्रत्येक वर्श चुकानी पड़ेगी। इनसे करीब सालाना 15.6 लाख करोड़ की हानि उठानी पड़ सकती है। साफ है, वैष्विक तापमान के बढ़ते खतरे ने आम आदमी के दरवाजे पर दस्तक दे दी है। दुनिया में कहीं भी एकाएक बारिष, बाढ़, बर्फबारी, बादल फटने या फिर सूखे का कहर का सामना करना पड़ सकता है। आंधी, तूफान और फिर यकायक ज्वालामुखियों के फटने की हैरतअंगेज घटनाएं भी यही संकेत दे रही हैं कि अदृष्य खतरे इर्दगिर्द ही कहीं मंडरा रहे हैं। समुद्र और अंटार्कटिका जैसे बर्फीले क्षेत्र भी इस बदलाव के संकट से दो-चार हो रहे हैं। दरअसल वायुमंडल में अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड महासागरों में भी अवषोशित होकर गहरे समुद्र में बैठ जाती है। यह वर्षों तक जमा रहती है। पिछली दो शताब्दियों में 525 अरब टन कचरा महासागरों में विलय हुआ है। इसके इतर मानवजनित गतिविधियों से उत्सर्जित कार्बन डाइऑक्साइड का 50 फीसदी भाग भी समुद्र की गहराइयों में समा गया है। इस अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड के जमा होने के कारण अंटार्कटिका के चारों ओर फैले दक्षिण महासागर में इस कार्बन डाइऑक्साइड को सोखने की क्षमता निरंतर कम हो रही है। इस स्थिति का निर्माण खतरनाक है। ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वेक्षण के मुताबिक वैज्ञानिकों का कहना है कि दक्षिण महासागर में कार्बन डाइऑक्साइड से लबालब हो गया है। नतीजतन अब समुद्र इसे अवषोशित करने की बजाय वायुमंडल में ही उगलने लग गया है। अगर इसे जल्दी नियंत्रित नहीं किया गया तो वायुमंडल का तापमान तेजी से बढेगा, जो न केवल मानव प्रजाति, बल्कि सभी प्रकार के जीव-जंतुओं के अस्तित्व के लिए खतरनाक होगा।

हिमालय पर कई वर्शों से अध्ययन कर रहे 'वाडिया भू-विज्ञान संस्थान' की रिर्पोट के अनुसार हिमालय के हिमखंडों में काले कार्बन की मात्रा लगातार बढ़ रही है। यह मात्रा सामान्य से ढाई गुना बढ़कर 1899 नैनोग्राम हो गई है। दरअसल काले कार्बन से तापमान में वृद्धि होती है। यह सूर्य के प्रकाश को अवषोशित करने में अत्यंत प्रभावी है। इससे हिमालय और आर्कटिक जैसे हिमखंडों में बर्फ पिघलने लगती है। यदि किसी साल बरसात में औसत से कम बारिष होती है तो बर्फ पिघलने की मात्रा और अधिक बढ़ जाती है। वायु प्रदूशण से भी हिमखंड दूशित कार्बन की चपेट में आए हैं। उत्तराखंड अंतरिक्ष उपयोग केंद्र ने निश्कर्श निकाला है कि पिछले 37 सालों में हिमाच्छादित क्षेत्रफल में 26 वर्ग किलोमीटर की कमी आई है। इस क्षेत्र में पहले स्थाई स्नोलाईन 5700 मीटर थी, जो अब 5200 मीटर के बीच घट-बढ़ रही है।

-प्रमोद भार्गव

अमलतास पैरामेडिकल कॉलेज में कम्युनिकेशन स्किल पर वैल्यू एडेड कोर्स संपन्न

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के अंतर्गत संचालित अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज में 30 अप्रैल 2026 को विद्यार्थियों के कौशल विकास हेतु कम्युनिकेशन स्किल (संचार कौशल) विषय पर एक दिवसीय वैल्यू एडेड कोर्स का सफल आयोजन किया गया। इस शैक्षणिक सत्र में संस्थान के सभी पैरामेडिकल छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और आधुनिक दौर में संचार की महत्ता को समझा।

कार्यक्रम की मुख्य संसाधन व्यक्ति डॉ. रत्ना शर्मा ने अपने व्याख्यान में विद्यार्थियों को संचार के विभिन्न माध्यमों और तकनीकों से अवगत कराया। उन्होंने कम्युनिकेशन बैरियर्स (संचार की बाधाएं) विषय पर चर्चा करते हुए बताया कि संवाद के दौरान होने वाली गलतफहमियों को कैसे दूर किया जाए। डॉ. शर्मा ने जोर देते हुए कहा कि सही संचार कौशल न केवल आपके पेशेवर करियर में सफलता सुनिश्चित करता है, बल्कि यह आपके व्यक्तिगत जीवन और व्यक्तित्व निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

यह पूरा आयोजन पैरामेडिकल कॉलेज की डायरेक्टर डॉ. स्नेहा सहाय युथम के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। अपने संबोधन में डॉ. सहाय ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में पैरामेडिकल स्टाफ का मरीजों और डॉक्टरों के साथ संवाद बहुत संवेदनशील होता है, इसलिए विद्यार्थियों को निरंतर अपने कम्युनिकेशन स्किल्स को निखारते रहना चाहिए।

चेयरमैन श्री मयंकराज सिंह भदौरिया जी ने भी कार्यक्रम की सराहना करते हुए अपना संदेश प्रेषित किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में सेवा भाव के साथ-साथ सटीक संवाद कुशलता एक कुशल पैरामेडिकल प्रोफेशनल की पहचान होती है। विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने हेतु संस्थान निरंतर ऐसे कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

इस विशेष अवसर पर डॉ. अंजलि मेहता, डॉ. नेहा गौर, डॉ. पूजा वर्मा, श्रीमती शकुन्तला मण्डलोई, श्री सूरज शर्मा, श्री अमन कुरैशी, श्रीमती टीना चौधरी एवं श्री पलाश मंडाड सहित कॉलेज का समस्त स्टाफ और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

उत्साह कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों ने फीडबैक देते हुए इस सत्र को अत्यंत ज्ञानवर्धक और उपयोगी बताया। छात्रों का कहना था कि ऐसे आयोजनों से उन्हें किताबी ज्ञान के अलावा व्यावहारिक कौशल सीखने का अवसर मिलता है।

आराधना भवन में लगी धर्म संस्कारों की पाठशाला

संस्कार शिविर में बच्चों को मिली धर्मयुक्त जानकारियां

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अरिहंत भगवान कौन हैं? सिद्ध भगवंत कौन हैं? जमीकंद और होटल में भोजन क्यों नहीं करना चाहिए? रात्रि भोजन का त्याग किसलिए किया जाता है? नवकार महामंत्र की क्या महिमा है। ऐसी और भी अनेक धर्मयुक्त जानकारियां, जिनकी शास्त्रयुक्त व्याख्या से जब नन्हे बच्चे रूबरू हुए तो उनके बालमन की जिज्ञासाओं का स्वतरू समाधान हो गया।

अवसर था स्थानीय ओसवाल सेरी स्थित जैन उपाश्रय में आयोजित तीन दिवसीय संस्कार एवं धार्मिक शिविर का। जिसमें उपस्थित जैन समाज के बच्चों को जिन शासन की महिमा के साथ मंदिर/स्थानक के धार्मिक संस्कारों से जोड़ने का प्रयत्न किया गया। श्री महावीर जैन पाठशाला द्वारा नगर की सुश्राविका श्रीमती मृगावती बहन बुरड़ के विशेष मार्गदर्शन में दिनांक 2 से 4 मई तक लगने वाले उक्त तीन दिवसीय धार्मिक एवं संस्कारिक शिविर में बच्चों को धार्मिक एवं संस्कारिक शिक्षा सहित जगत पूजित जिन शासन की महिमा की संपूर्ण जानकारी दी जा रही है। साथ ही बच्चों के लिए अनेक आकर्षक गतिविधियां एवं गेम्स भी आयोजित हो रहे हैं। ताकि बच्चे खुशी-खुशी धर्म संस्कारों को ग्रहण कर सके।

प्रभावी रहा शिविर का प्रथम दिवस- मीडिया प्रभारी मंगल नाहर ने बताया कि समाज की महिला मंडल सदस्यों श्रीमती ज्योति जैन, श्रीमती हेमा जैन, श्रीमती विनीता जैन, श्रीमती रीना धारीवाल, अंकिता जैन, बिंदू जैन एवं रजनी जैन के माध्यम से संचालित उक्त शिविर के प्रथम दिवस शिविर का शुभारंभ महामंत्र नवकार से हुआ। इसके पश्चात सौरभ नारेलिया ने हमारे अरिहंत भगवान के संबंध में, पंकज मांडलिक ने सिद्ध भगवंत के संबंध में, डा.पराग जैन ने रात्रि भोजन, जमींकंद के त्याग और नियमित योग-व्यायाम के संबंध में बच्चों को उपयोगी जानकारियां प्रदान की। शिविर की प्रभावना के लाभार्थी लोकेश जैन-मितांशु जैन (शक्कर वाला) परिवार रहे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे।

गैस सिलेंडर को लेकर हुआ हंगामा, उपभोक्ताओं ने लगाया ब्लेक मार्केटिंग का आरोप, पुलिस ने शांत कराया मामला

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। खाड़ी देशों में जारी तनाव के चलते शुरू हुई घरेलू गैस सिलेंडर की किल्लत अब तक बनी हुई है। जिसके चलते उपभोक्ताओं को सिलेंडरों के लिए अब तक जूझना पड़ रहा है। शनिवार को भी उपभोक्ताओं व एजेंसी कर्मचारी के बीच विवाद की स्थिति बन गई। मामला इतना बढ़ गया कि पुलिस को मामला शांत कराना पड़ा।

शनिवार को पहुंचे उपभोक्ताओं को लंबी कतार लगाना पड़ी। जिससे उनका गुस्सा फूट पड़ा और हंगामा शुरू हो गया। उपभोक्ताओं ने ब्लैक मार्केटिंग के गंभीर आरोप लगाए हैं। उपभोक्ताओं ने बताया कि कई दिनों से सिलेंडर का इंतजार कर रहे हैं और उन्हें लगातार टालमटोल की जा रही है कि आज नहीं है कल आना। शनिवार को भी सिलेंडर न मिलने पर कुछ लोगों ने प्रदर्शन किया। यह विरोध एजेंसी कर्मचारियों के साथ बहस में बदल गया और फिर झड़प की स्थिति बन गई। एक उपभोक्ता ने नाम न छापने की शर्त पर आरोप लगाया कि मालवा गैस और नवीन गैस एजेंसियों पर सिलेंडरों की कालाबाजारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि होटल चलाने की मजबूरी में उन्हें एक सिलेंडर 1800 से 2000 रुपए तक में खरीदना पड़ा। एक उपभोक्ता फैजान खान ने बताया कि उन्हें आठ दिनों से सिलेंडर नहीं मिला है और बार-बार नई तारीखें देकर टाल दिया जा रहा है। उन्होंने एजेंसी कर्मचारियों पर अभद्र व्यवहार का भी आरोप लगाया।

हमें ही नहीं मिल रहे तो हम कहां से दें- नवीन गैस एजेंसी के संचालक राज नारायण चौहान ने सभी आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि एजेंसी को प्रतिदिन एक गाड़ी सिलेंडर मिल रही है। जिससे कमी आई है। उन्होंने बताय कि हमें पर्याप्त सिलेंडर मिले तो हमें देने में कोई परेशानी नहीं है। अत्यधिक भीड़ के कारण वितरण में समस्या आ रही है। इस मामले पर जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी देवेंद्र शर्मा ने जांच कराने और मौके पर टीम भेजने की बात कही है।

दो माह से अधिक समय से झेल रहे परेशानी- पिछले करीब दो माह से नगरवासी गैस सिलेंडर की किल्लत का सामना कर रहे हैं।

गृह गृह गायत्री यज्ञ से नशाबंदी और कुरीति उन्मूलन का दिया बड़ा संदेश

श्रद्धालुओ ने बड़ी श्रद्धा एवं निष्ठा से गायत्री मंत्र की दी आहुतियां

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में वैश्विक स्तर पर विश्व के लाखों श्रद्धालु परिजनों ने किए बड़ी श्रद्धा और उमंग के साथ अपने अपने घरों में गायत्री महायज्ञ साथ ही पड़ोसी, सगे संबंधी एवं मित्रों को भी प्रेरित किया द्य गृह गृह गायत्री महायज्ञ का उद्देश्य राष्ट को स्वस्थ, समर्थ, नशा मुक्त और संस्कारवान बनाना हैं।

गायत्री परिवार के मीडिया प्रभारी विक्रमसिंह चौधरी ने बताया कि प्रतिवर्ष अखिल विश्व गायत्री परिवार शान्तिकुंज हरिद्वार द्वारा बुद्ध पूर्णिमा को बड़ी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ देशभर में पुनीत गृह गृह गायत्री महायज्ञ अभियान को संपन्न करता आ रहा है, इसी क्रम में इस वर्ष भी बुद्ध पूर्णिमा 01मई को देवास जिले की सभी तहसीलों मे पूर्ण उल्लास के साथ इस अभियान को संपन्न किया गया जिसमें देवास तहसील में 1300, हाटपिपलिया 505, कन्नौद 155, बागली 150, सोनकच्छ 50, खातेगांव 586, सतवास 210, टोंक खुर्द 10, उदयनगर 20 इस प्रकार कुल 2936 घरों में गृह गृह गायत्री महायज्ञ संपन्न हुए । जिला कारागार देवास में भी बन्दी भाईयों ने बड़ी उमंग और जोश के साथ आहुतियां प्रदान की । युवा प्रकोष्ठ जिला समन्वयक प्रमोद निहाले ने यज्ञ के दौरान बन्दी भाईयों से अपने जीवन की बुराइयों की तिलांजलि देने की अपील की जिससे कई बन्दी भाई प्रेरित हुए और उन्होंने बुराइयाँ छोड़ कर अच्छाई ग्रहण करने का संकल्प लिया एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी सजग किया तथा जीवन में कम से कम 03 पौधे लगाने हेतु संकल्पित किया द्य जिला जेल अधीक्षक विद्याभूषण प्रसाद ने गायत्री परिवार के इस आयोजन की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया और कहा कि गायत्री परिवार के सारे अभियान अद्भुत एवं दैवीय योजना के है इसलिए निश्चित सफल होते हैं द्य बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर गायत्री प्रज्ञापीठ देवास की संरक्षिका दुर्गा दीदी एवं जिला समन्वयक बाबूलाल खंडेलवाल ने कहा कि पुनीत पावन गृह गृह गायत्री महायज्ञ अभियान का एक ही उद्देश्य है कि घर-घर में गायत्री और यज्ञ पहुंचे जिससे घर का वातावरण शुद्ध, पवित्र और संस्कारवान बन सके । घर में यज्ञ का प्रभाव महत्वपूर्ण होता है । यज्ञ के माध्यम से यजमान अपनी बुराइयां छोड़ता है और अच्छाई ग्रहण करता है जिससे परिवार देव परिवार बनता है एवं इससे परम पूज्य गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी का सपना ÷मनुष्य में देवत्व का उदय और धरती पर स्वर्ग के अवतरण÷ का लक्ष्य पूर्ण होता है । पुनीत गृह गृह गायत्री यज्ञ अभियान को सफलता तक पहुंचाने में जिले के सभी तहसील प्रभारी गिरीश गुरु, डॉ. राजेंद्र व्यास, रामकरण यादव, पुष्करलाल गुप्ता, आशीष गुप्ता, सुरेश भारद्वाज, हरिराम जिराती, रविन्द्र नायक, रमेशचन्द्र मेहता, देवीशंकर तिवारी सहित अनेकों परिजनों का सराहनीय सहयोग रहा द्य गायत्री शक्तिपीठ देवास के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी महेश पंड्या एवं गायत्री प्रज्ञापीठ विजय नगर के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी राजेंद्र पोरवाल ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी परिजनों का बहुत - बहुत आभार व्यक्त किया ।

अभाविप ने परीक्षा परिणाम में लगाया गड़बड़ी का आरोप

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हाल ही में जारी हुए एलएलबी के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए, जिसमें एक ही विषय में कई विद्यार्थी अनुत्तीर्ण हुए। यही स्थिति अन्य विषयों में भी देखी गई। इस पर अभाविप कार्यकर्ताओं ने शनिवार को कुलसचिव के नाम ज्ञापन सौंपकर जांच की मांग की है। साथ ही आंदोलन की भी चेतावनी दी है।

अभाविप के नगर मंत्री पवन गुर्जर के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि हाल ही में घोषित एलएलबी प्रथम सेमेस्टर के अपकृत्य विधि विषय के परीक्षा परिणाम में कई विसंगतियां सामने आई हैं। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को इस विषय में अनुत्तीर्ण घोषित किया गया है। परिषद का यह भी कहना है कि केवल इसी विषय में नहीं बल्कि अन्य विषयों के परिणामों में भी लगातार गड़बड़ियां देखने को मिल रही हैं। ज्ञापन के माध्यम से परिषद ने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की है कि एलएलबी प्रथम सेमेस्टर के अपकृत्य विधि विषय के परिणामों की पुनः जांच की जाए। साथ ही सभी त्रुटियों को शीघ्र सुधारा जाए। एबीवीपी ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सुधार नहीं किया गया, तो वे आंदोलन करेंगे।

तीन दिन से बिन मुंडेर के कुंए में फंसी थी गाय, गौरक्षा सेना ने निकाला बाहर

कुंआ मालिक जान-बूझकर बना अंजान, गौरक्षा सेना ने दी हिदायत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम कांजा और बरवाल के बीच एक खेत में बिना मुंडेर के कुएं में गिरी गाय को गोरक्षा सेना के सदस्यों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। यह घटना कांजा गांव के पास की है। खास बात यह थी कि गाय के फंसे होने की जानकारी कुंआ मालिक को थी, लेकिन उसने ध्यान नहीं दिया।

जानकारी के मुताबिक आसिफ नाम के शख्स के खेत में बने इस कुएं में गाय पिछले तीन दिनों से फंसी हुई थी। कुएं के मालिक को इस बारे में पहले ही पता चल गया था, लेकिन उनकी तरफ से गाय को निकालने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। शुक्रवार शाम को ग्रामीणों ने इसकी खबर गोरक्षा सेना को दी। टीम जब मौके पर पहुंची तो देखा कि कुएं में पानी भरा था और वहां एक जहरीला सांप भी घूम रहा था। इससे बचाव का काम काफी खतरनाक और चुनौतीपूर्ण हो गया था। लेकिन गौरक्षा सेना ने गाय के प्राण बचाने को प्राथमिकता दी और सांप और गहरे पानी के खतरे के बावजूद करीब एक घंटे की कड़ी मेहनत के बाद रस्सी और ट्रैक्टर की मदद से गाय को सही-सलामत कुएं से बाहर निकाल लिया गया। इसके बाद टीम ने कुएं के मालिक को फोन पर जानकारी दी और उनसे कुएं को ढकने के लिए कहा ताकि आगे से कोई और जानवर या इंसान इसमें न गिरे। इस अभियान में गोरक्षा सेना की बरवाल और शाजापुर टीम के साथ बड़ी संख्या में गांव वाले भी मौजूद रहे।

स्वच्छता और पेयजल व्यवस्था को लेकर आयुक्त ने वार्ड-9 सहित शिप्रा प्लांट व इंटकवेल का किया निरीक्षण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 2 मई शनिवार को नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार ने शहर की स्वच्छता व्यवस्था और पेयजल परियोजनाओं की जमीनी हकीकत जानने के लिए वार्ड क्रमांक 9 का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिप्रा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तथा अलीपुर में निर्माणाधीन इंटकवेल की प्रगति का भी जायजा लिया।

वार्ड-9 के भ्रमण में आयुक्त ने खुले प्लॉट, डिवाइडर, ग्रीनरी और मैरिज गार्डन के आसपास की सफाई व्यवस्था देखी। डिवाइडरों में कचरा पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित दरोगा को तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए। आयुक्त ने डिवाइडरों के बीच ग्रीनरी में नियमित पानी देने और मैरिज गार्डन से निकलने वाले गीले व सूखे कचरे को अलग-अलग थैलों में एकत्र कर कचरा वाहनों में गार्डन से डलवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को खुले में कचरा न फेंकने के लिए जागरूक किया जाए तथा स्वच्छता निरीक्षक वार्ड में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें।

शिप्रा ट्रीटमेंट प्लांट के निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने आईएचपी कर्मचारियों को पेयजल में क्लोरीन की निर्धारित मात्रा सुनिश्चित करने और प्रतिदिन लैब टेस्टिंग रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। निर्माण कार्यों की धीमी गति पर असंतोष जताते हुए उन्होंने कार्यपालन यंत्री इंदु प्रभा भारती एवं सहायक यंत्री सौरभ त्रिपाठी को श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर बारिश से पूर्व सभी कार्य पूर्ण करने को कहा। पंपों के नियमित रखरखाव पर भी जोर दिया।

अलीपुर में बन रहे नवीन इंटकवेल का निरीक्षण करते हुए आयुक्त ने निर्देशित किया कि वर्षा ऋतु से पहले फाउंडेशन से ऊपर का कार्य पूर्ण कर लिया जाए ताकि बारिश में कार्य बाधित न हो। उन्होंने उपयंत्री राजेश कौशल को निर्माण कार्यों की सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसा, एक ही पांडाल में हुए निकाह और फेरे

एकता ग्रुप ने 17वें साल कराया 107 बेटियों का नि:शुल्क विवाह

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कहीं विवाह रस्म के मंत्रोच्चार गूंज रहे थे तो कहीं निकाह की आयते पढ़ी जा रही थी। एक ही पंडाल में निकाह हो रहा था तो सात फेरे भी लिए जा रहे थे। क्या हिंदू और क्या मुसलमान सभी मिलजुलकर काम कर रहे थे और सभी 107 जोड़ों के विवाह सम्मेलन को सफल बनाने में जुटे थे। हिन्दू-मुस्लिम एकता की इतनी बड़ी मिसाल कम ही देखने को मिलती है।

यह नजारा एकता ग्रुप द्वारा आयोजित कन्याओं का निःशुल्क 17वां सर्वधर्म विवाह निकाह सम्मेलन का था। जहां एक ही पंडाल में मुस्लिम युवक-युवतियां और हिन्दू युवक-युवतियां सात जन्मों के बंधन में बंधे। इतना ही नहीं एक ही जाजम पर एक साथ बैठकर खाना भी खाया। प्रवक्ता अनीस खान ने बताया कि शनिवार को बापू की कुटिया के समीप दुर्गा मैरिज गार्डन पर एकता ग्रुप के तत्वावधान में 17वां सर्वधर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में मुस्लिम समाज के 22 जोड़ो का निकाह शहर काजी रहमतउल्ला सा. के नेतृत्व में पढ़ाया गया। वहीं पंडितजी ने मंत्रोच्चार के साथ 85 जोड़ो के फेरे कराए। हिन्दू मुस्लिम दोनों ही समाज के करीब 10 हजार से अधिक लोगों ने एक साथ बैठकर भोजन ग्रहण किया। कन्याओं के लिए यह सम्मेलन निःशुल्क रहा। कार्यक्रम सुबह 9 बजे प्रारंभ हुआ जो दोपहर 3 बजे तक चलता रहा। एकता ग्रुप के अध्यक्ष सैय्यद वकार अली ने अतिथियों का स्वागत किया। अतिथियों ने वर-वधुओं को आर्शीवाद देकर बधाई दी।

एकता की मिसाल बना आयोजन- एकता ग्रुप अध्यक्ष सैयद वकार अली जी ने बताया कि एकता ग्रुप द्वारा यह आयोजन 17 साल से आयोजित किया जा रहा है। जिसमें हिंदू-मुस्लिम दोनों ही समुदाय के लोग शामिल होते है और एकता के साथ इस आयोजन को सफल बनाते हैं। इस वर्ष भी 107 जोड़ों का विवाह कराया गया। साथ ही कन्याओं को उपहार भी भेंट किए गए। कार्यक्रम काजी अहसानउल्ला साहब की सरपरस्ती में हुआ। जिसमें विशेष अतिथि पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप चंद्रवंशी, नपा उपाध्यक्ष संतोष जोशी, प्रेम यादव, मुन्ना भावसार, रूप किशोर नवाब, पूर्व सारंगपुर नपाध्यक्ष मोहम्मद अली, साजिद अली, गब्दू पठान, गोरीशंकर सूर्यवंशी कानड़, मूसा आजम खान, राजेश पारछे आदि ने दुल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद दिया। अतिथियों ने कहा कि एकता ग्रुप ने सम्मेलन के माध्यम से जो भाईचारा प्रस्तुत किया है वो काबिले तारीफ है। दोनों ही समाज की शादियां एक ही मंडप में एक मिसाल है। इससे अच्छा और सुंदर आयोजन हिंदूस्तान में कहीं हो ही नहीं सकता। ऐसे आयोजन से भाईचारा कायम रहता है। संचालन शेख शाकिर ने किया।

इनकी मेहनत रंग लाई

कार्यक्रम में एकता ग्रुप सरपरस्त दाऊद सेठ, हाजी मसीत खान, सचिव शेख शाकिर, डॉ. अशफाक मंसूरी, संतोष मेडम, भय्यू मास्टर, भय्यू मशीन, प्रवक्ता अनीस खान, प्रवक्ता पीयूष भावसार, गफ्फार खान, हफीज शाह मक्सी, हेमंत आर्य, संजय राठौर, इमरान राजा, इरफान पटेल, बबलू भाई श्रंगारिका, नदीम जावेद, वसीम गोल्डन, गुफरान मिर्जा, हेदर अली, शराफत भाई, सत्तार भाई, राजा भाई, सिक्युरिटी आदि का सराहनीय सहयोग रहा।

'प्रशासन गांव की ओर': पीपरी में कलेक्टर की चौपाल, शासन की योजनाओं और जनसमस्याओं पर किया सीधा संवाद'

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रामीणों की समस्याओं को सीधे सुनने और शासन की योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर तक पहुँचाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने उदयनगर तहसील की ग्राम पंचायत पीपरी में रात्रि ग्राम चौपाल का आयोजन किया। इस दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने न केवल ग्रामीणों की शिकायतें सुनीं, बल्कि अधिकारियों को मौके पर ही उनके त्वरित और निष्पक्ष निराकरण के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने 'ग्राम चौपाल' में एक-एक कर ग्रामीणों से संवाद किया। कलेक्टर श्री सिंह ने स्वयं ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी मांगों और समस्याओं को समझा। ''ग्राम चौपाल'' के दौरान उन्होंने ग्रामीणों से शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन, मूलभूत सुविधाओं तथा स्थानीय आवश्यकताओं की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप ग्राम चौपाल की पहल केवल निरीक्षण तक सीमित नहीं रही बल्कि ग्रामीणों के बीच बैठकर संवाद स्थापित करने, उनकी वास्तविक समस्याओं को समझने और त्वरित समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाने का माध्यम बनी। चौपाल में किसानों, महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने खुलकर अपनी बात रखी। प्रदेश सरकार का प्रमुख लक्ष्य ÷शासन की सेवाएं घर-घर तक पहुंचाना÷ अब व्यवहार में उतरता नजर आ रहा है।

कलेक्टर श्री सिंह ने ग्रामीणों को ग्राम चौपाल के आयोजन के पीछे की मंशा बताते हुए कहा कि प्रशासन का लक्ष्य जनता के द्वार तक पहुँचकर उनकी समस्याओं को हल करना है। हम आपकी समस्याओं के निराकरण एवं ग्रामीण परिवेश को जमीनी स्तर पर जानने के लिए 100 किलोमीटर दूर आए हैं । सभी ग्रामवासियों ने चौपाल के माध्यम से अपने ग्राम की समस्या से रूबरू कराया।

बच्चों को नशे से दूर रखने का दिया सन्देश- कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि नशा मुक्ति के लिए सभी ग्रामवासियों को एकत्रित होकर युवाओं को जागरूक करना होगा, गांव की सभी माताओं और बुजुर्गों को समाज की इस कुप्रथा को दूर करने के लिए युवाओं को जागरूक करना होगा। प्रशासन आपके साथ है। उन्होंने कहा सभी लोगों को अपने बच्चों के भविष्य के लिए उन्हें कम से कम एक घंटे रोज घर में पढ़ने के लिए जागरूक करें। उन्होंने बच्चों की पढ़ाई, विद्यालय और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली तथा उन्हें शिक्षा के प्रति जागरूक रहने और मन लगाकर अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। जिनके बच्चे घर से बाहर पढ़ाई और जॉब कर रहे है उनकी सराहना भी की।

नशे में गाड़ी न चलाने और हेलमेट पहनने के लिए किया जागरूक- कलेक्टर श्री सिंह ने नशे में गाड़ी न चलाने और हेलमेट पहन कर गाड़ी चालने के लिए जागरूक किया । उन्होंने कहा नशे में गाड़ी चलने से बहुत रोड एक्सीडेंट होते है जिसके कारण उनके घर वालो को परेशान होना पड़ता है। खास कर यदि वह घर का मुखिया हो, उन्होंने गसभी से आग्रह किया कि यदि घर से बाहर गाड़ी से निकले तो हेलमेट पहन कर ही निकले। हेलमेट से बहुत सुरक्षा होती है, सभी ग्रामवासियों ने कलेक्टर श्री सिंह की बात पर सहमती जताई।

खबर के असर से बदला गया घटगारा का कंकड़ वाला गेहूं, ग्रामीणों ने जताया आभार

गरीबों के निवाले पर कंकड़-पत्थर का प्रहार

घटगारा राशन दुकान पर मिल रहा सड़ा हुआ गेहूं

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जहां एक ओर सरकार अंत्योदय और गरीब कल्याण के बड़े-बड़े दावे करती है, वहीं दूसरी ओर प्रशासन की नाक के नीचे गरीब परिवारों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। ताजा मामला ग्राम पंचायत घटगारा का है, जहाँ उचित मूल्य की दुकान पर ग्रामीणों को कंकड़-मिट्टी मिला हुआ और सड़ा हुआ गेहूं वितरित किया जा रहा है।

जनप्रतिनिधि निर्भयसिंह मालवीय ने बताया कि राशन दुकान से जो गेहूं दिया जा रहा है, उसमें भारी मात्रा में मिट्टी और कंकड़ मिले हुए हैं। यह अनाज इंसानों के खाने लायक तो दूर, पशुओं के खिलाने योग्य भी नहीं दिखाई देता। इसके बावजूद, गरीबी और पेट की आग की मजबूरी के चलते ग्रामीण इस घटिया अनाज को लेने को मजबूर हैं।

सड़ा हुआ और मिट्टी मिला अनाज खाने से क्षेत्र में पेट दर्द, संक्रमण और अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित सेल्समैन और विभाग को इसकी सूचना दी, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। ऐसा प्रतीत होता है कि गरीबों को दिए जाने वाले सरकारी राशन की गुणवत्ता की जाँच करने वाला कोई नहीं है।

हम गरीब लोग हैं, मजदूरी करके पेट पालते हैं। अगर हमें मिलने वाला सरकारी राशन भी ऐसा सड़ा हुआ और कंकड़ भरा होगा, तो हम क्या खाएंगे? क्या प्रशासन हमारे स्वास्थ्य और बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करना चाहता है? यह घटना खाद्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़ा करती है। क्या वेयरहाउस से राशन की निकासी के वक्त उसकी गुणवत्ता की जाँच नहीं की गई? या जानबूझकर गरीबों के हिस्से में ऐसा कचरा धकेला जा रहा है? क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने मांग की है कि इस मामले की तत्काल उच्च स्तरीय जाँच की जाए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए ग्रामीणों को स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण अनाज उपलब्ध कराया जाए।

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पत्रकारिता की शक्ति और जनप्रतिनिधि की सजगता जब एक साथ मिलती है, तो उसका लाभ सीधे आम जनता तक पहुँचता है। दैनिक मालवा हेराल्ड की खबर गरीबों के निवाले पर कंकड़-पत्थर का प्रहार का इतना जोरदार असर हुआ कि खाद्य विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटगारा की उचित मूल्य दुकान पर वितरण के लिए भेजा गया खराब अनाज तत्काल प्रभाव से बदल दिया है।

खबर प्रकाशित होने और मामले के तूल पकड़ते ही प्रशासन हरकत में आया। जो सड़ा हुआ और कंकड़-मिट्टी युक्त गेहूं ग्रामीणों को वितरित किया जा रहा था, उसे वापस उठाकर विभाग द्वारा उच्च गुणवत्ता वाला नया गेहूं उचित मूल्य की दुकान पर भेज दिया गया है। अब ग्रामीणों को साफ-सुथरा और खाने योग्य अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि जब एक पत्रकार निष्पक्षता से खबर लगाता है, तो सोता हुआ प्रशासन भी जाग उठता है। इस पूरे घटनाक्रम में जनप्रतिनिधि निर्भयसिंह मालवीय की सजगता सबसे अहम रही। उन्होंने जिस बेबाकी से ग्रामीणों की इस पीड़ा को उठाया और प्रशासन पर दबाव बनाया, उसी का परिणाम है कि आज गरीबों को मिलने वाला राशन सुधर सका। निर्भयसिंह मालवीय जैसे सजग जनप्रतिनिधि की तारीफ आज पूरा क्षेत्र कर रहा है।

नया और साफ गेहूं मिलने से ग्राम पंचायत घटगारा के ग्रामीण जनों के चेहरों पर खुशी लौट आई है। ग्रामीणों ने इस त्वरित कार्रवाई के लिए दैनिक मालवा हेराल्ड, प्रशासन और विशेष रूप से जनप्रतिनिधि निर्भयसिंह मालवीय का हृदय से धन्यवाद किया है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर मीडिया और हमारे प्रतिनिधि इसी तरह सजग रहे, तो व्यवस्थाओं में कोई भी भ्रष्टाचार या लापरवाही नहीं कर पाएगा।

अकोदिया 18 वर्षों की सेवा के बाद हवलदार दीवान सिंह मेवाड़ा का भव्य स्वागत, तिरंगा यात्रा से गूंजा अकोदिया-रानी बडौद

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया ग्राम रानी बडौद के पूर्व सरपंच कुमेर सिंह मेवाड़ के भाई दिलीप सिंह मेवाड़ के सुपुत्र दीवान सिंह मेवाड़ का भारतीय सेना में 18 वर्षों की गौरवशाली सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए । हवलदार दीवान सिंह मेवाड़ के सम्मान में भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन पूरे क्षेत्र में देशभक्ति और गौरव का प्रतीक बन गया।

शनिवार सुबह 09-30 बजे अकोदिया रेलवे स्टेशन से भव्य चल समारोह (तिरंगा यात्रा) की शुरुआत हुई। यात्रा रेलवे स्टेशन से टप्पा चौराहा, महाराणा प्रताप बस स्टैंड चौराहा होते हुए आगे बढ़ी, जहां महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद कंगन बाजार, एसबीआई रोड, जाटपुरा, रेलवे फाटक होते हुए यह यात्रा ग्राम रानी बडौद पहुंची।

रानी बडौद में अंश फ्यूल्स, नितरडी जोड़, बड़े पूलिया, इलाई माता मंदिर और बागवाले हनुमान मंदिर से होते हुए जैसे ही दीवान सिंह मेवाड़ अपने निवास स्थल पहुंचे, वहां भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। नगरवासियों और ग्रामीणों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। समारोह में अतिथियों द्वारा फूलमाला पहनाकर एवं साफा बांधकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के पश्चात सहभोज (भोजन प्रसादी) का आयोजन भी किया गया, जिसमें क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। पूरे आयोजन के दौरान देशभक्ति का उत्साह और सेना के प्रति सम्मान स्पष्ट रूप से देखने को मिला। इस अवसर पर परिवारजन, समाजजन, अतिथि गण एवं क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

यातायात जागरूकता अभियान, ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर लगाए गए रिफ्लेक्टर

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यातायात जागरूकता अभियान के तहत आगर मालवा जिला पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार सिंह के निर्देशानुसार सुसनेर थाना प्रभारी अक्षय सिंह बेस द्वारा शनिवार को अपने स्टाफ के साथ उपार्जन केंद्र मयूर वेयरहाउस, सोयत रोड पर विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान केंद्र पर आने वाले ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर रिफ्लेक्टर लगाए गए, ताकि रात के समय होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

अभियान के दौरान पुलिस टीम ने किसानों और वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन के लिए भी जागरूक किया। उन्हें बताया गया कि बिना रिफ्लेक्टर के चलने वाले वाहन रात में दुर्घटनाओं का कारण बन सकते हैं। ऐसे में ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर रिफ्लेक्टर लगाना बेहद जरूरी है।

थाना प्रभारी अक्षय सिंह बेस ने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को लेकर लगातार प्रयास किए जाएंगे। पुलिस द्वारा लोगों से अपील की गई कि वे अपने वाहनों में सुरक्षा संबंधी सभी जरूरी उपकरण अवश्य लगाएं, जिससे हादसों से बचा जा सके।

हेलमेट वी कागज ना होना कानूनी अपराध कटेगा चालान

अनेक वाहन चालकों पर 35 सो रुपए की चालानी कार्रवाई

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया नगर की पुलिस द्वारा प्रतिदिन वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश अनुसार चेकिंग अभियान चलाया जाता है जहां मेंन रोड से निकलने वाले तमाम छोटे बड़े वाहन चालक के पास कागज संपूर्ण ना होना एवं टू व्हीलर चालक के पास हेलमेट नहीं होना कानूनी अपराध की तरह है आपकी सुरक्षा के लिए हैं अगर हेलमेट पहन के चलोगे तो यमराज भी आपकी जान नहीं ले सकता है उक्त बात चेकिंग अभियान के दौरान एस आई मदन सिंह गुर्जर ने टू व्हीलर चालकों से चालानी कार्रवाई के दौरान कही रविवार को पुलिस की चेकिंग अभियान को देखकर हर कोई अपना रास्ता चेंज कर रहा था पुलिस ने कहा कि यहां चालान केवल इसीलिए काटा जाता है ताकि आप अगली बार गाड़ी के पूरे कागज और गाड़ी का बीमा सहित हेलमेट के साथ घरो से निकले हेलमेट ना होने से कही बार ऐसी घटना घटित हो भी जाती है मोटरसाइकिल चालक मौत के मुंह में समा जाते हैं एक्सीडेंट की घटना होती है और जिनके सिर में हेलमेट ना होता है और उन्हें सिर में चोट आ जाने से यही अपनी जान गमा देते पुलिस द्वारा 11 मोटरसाइकिल चालकों पर हेलमेट ना होने पर चालनी कार्रवाई कर ?3500 की राशि वसूली राजस्व विभाग में जमा की गई है अभियान में प्रधान आरक्षक विपिन सिंह तोमर श्री जाट एवं सुनील मालवीय आदि की मौजूद थे।

100 दिवसीय आयुष्मान आरोग्य शिविर देपालपुर में निक्षय पोषण आहार सामग्री वितरित

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन भोपाल मप्र के राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम में सभी क्षय रोगी समस्त शासकीय चिकित्सा केंद्रों पर निशुल्क जांच एवं पूर्ण स्वस्थ होने तक निशुल्क उपचार लेते हैं।

उपचार की सम्पूर्ण अवधि में निक्षय पोषण आहार योजना में उपचार रत क्षय रोगी डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफ़र के माध्यम से स्वयं के बैंक अकाउंट में पोषण आहार लेने के लिए एक हजार रुपए प्रति माह भी प्राप्त करते हैं।

इसके अलावा भी समाज में से कोई भी व्यक्ति निक्षय मित्र के रूप में भारत सरकार के पोर्टल पर पंजीकृत हो कर और अपने क्षेत्र में निवासरत और क्षय रोग का उपचार करवा रहे क्षय रोगी को गोद लेकर सम्पूर्ण उपचार अवधि तक निक्षय पोषण आहार सामग्री से परिपूर्ण फूड बास्केट का वितरण भी कर सकते हैं।

ऐसा ही एक उदाहरण सौ दिवसीय आयुष्मान आरोग्य शिविर जो सम्पूर्ण मध्य प्रदेश में विश्व क्षय दिवस 24 मार्च से शुरू किया गया है।उसी शिविर में आयुष्मान आरोग्य मंदिर माचल और बनेडिया के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी सुश्री नेहा पवार और डॉ विजय गहलोत ने निक्षय मित्र बन कर दो क्षय रोगीयो को गोद लिया और उन्हें निक्षय पोषण आहार सामग्री उपलब्ध करवाई।

यह जानकारी टीबी यूनिट पांच देपालपुर के प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान ग्रामीण क्षेत्र के नोडल अधिकारी डॉ दिलीप शर्मा ने दी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देपालपुर की मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ वंदना केसरी मैडम ने समाज में सभी नगरिकों से निक्षय मित्र बन कर क्षय रोगीयों को गोद ले भारत को क्षय मुक्त बनाने में अपना योगदान देने का आह्वान किया।

किसानों के हक की लड़ाई: 7 मई को पीगडंबर इंदौर में चक्का जाम किसान आंदोलन

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में मुंबई आगरा रोड पर किसानों की समस्याओं को लेकर 7 मई को ए बी रोड पर चक्का जाम आंदोलन किया जाएगा।

इंदौर जिले का आंदोलन पीतांबर चौराहा अब रोड पर होगा इस आंदोलन में किसानों की फसल गेहूं का समर्थन मूल्य पर समय पर नहीं तोलना, आलू, प्याज, लहसन के बाजार में भाव नहीं मिलने, और किसानों की समय पर फसल नहीं खरीदी जाने के कारण सोसायटियों में डिफाल्टर होने और पूरे वर्ष का ब्याज लगने, ई टोकन के नाम पर कम खाद वितरण करना आदि के कमर्शियल गैस टंकी पर 993 बढ़ाना 5 किलो की छोटी गैस की टंकी पर 255 रुपए बढ़ाना इसी के साथ बेताहसा महंगाई के खिलाफ मुद्दों को उठाया जाएगा।

इंदौर जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े जी के नेतृत्व में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में देपालपुर विधानसभा के कार्यकर्ताओं ने आंदोलन की विस्तृत रूपरेखा तैयार की। बैठक में ग्राम पंचायत अध्यक्षों, मंडलम अध्यक्षों एवं वरिष्ठ नेतागणों ने भाग लिया।

इंदौर सहकारी दुग्ध संघ के पूर्व अध्यक्ष मोतीसिंह पटेल ने बताया कि देपालपुर विधानसभा क्षेत्र से 500 ट्रैक्टर के साथ हजारों किसान इस आंदोलन में शामिल होंगे। और अपने अधिकारों की रक्षा करेंगे अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए देपालपुर विधानसभा प्रभारी मनोजसिंह गौतम और ऋतुराजसिंह चौहान 3-4 मई को मंडलम स्तर पर कांग्रेड कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे।

कांग्रेस पार्टी जीतू पटवारी के नेतृत्व में किसानों के हक की इस लड़ाई को पूरी मजबूती और एकजुटता के साथ लड़ेगी। भारतीय जनता पार्टी की सरकार को किसानो की समस्याओं को हल करने पर मजबूर करेंगे।

कार्यक्रम का संचालन देपालपुर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश बड़वाया ने किया और आभार देपालपुर नगर वार्ड कांग्रेस अध्यक्ष दिलीप खेर ने माना इस अवसर पर इंदौर दुग्ध संघ के पूर्व अध्यक्ष, मोती सिंह पटेल उमराव से ही मौर्य इंदौर जिला कांग्रेस संगठन महासचिव दौलत पटेल आज जिला कांग्रेस अध्यक्ष विजय सिलोटिया श्रीमति साई बेदी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मोहन चौधरी सुनेर सिंह सोलंकी, सत्यनारायण जाट, मलिक खान लक्ष्मण तोतला पूर्व अध्यक्ष नगर पंचायत मजीद खान, पार्षद जितेंद्र सिंह ठाकुर, निर्भय सिंह सोलंकी निराला डागर,बाबू सिंह पटेल, राजीव यादव ,नरेंद्र मकवाना, देवनारायण चौधरी,भगत सिंह मंडलोई दिनेश नागर, सुरेश यादव, मुकेश पटेल, कृपाराम सोलंकी मिथिलेश जोशी, आजम खान, जगदीश भावसार, देवकरण गुर्जर, यशवंत राठोर, निलेश पवार, जीतू दरबार, शेर देसाई, घनश्याम सरपंच ,अर्जुन खत्री, मोहन गुर्जर,राजेश परमार, सत्यनारायण शर्मा,धर्मेंद्र गुर्जर पंकज पटेल, सीताराम सरपंच अमर सिंह नगर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

अकोदिया में सूरज सिंह सिसोदिया तो गोलाना में नरेंद्र यादव को बनाया मंडल प्रभारी

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल द्वारा पार्टी को और मजबूती की और ले जाने के लिए मंडल में पार्टी को और मजबूती मिले इस दृष्टि से प्रत्येक मंडल में प्रभारी नियुक्त की गई है जहां शाजापुर जिले के सबसे चर्चित मंडलों में से एक गोलाना व अकोदिया में भी ऊर्जा वान प्रभारी मनोनीत किया जहां अकोदिया मंडल में भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष श्री सूरज सिंह सिसोदिया को प्रभारी मनोनीत किया है साथ ही गोलाना मंडल में भाजपा के युवा तरुणाई श्री नरेंद्र यादव को प्रभारी मनोनीत किया दोनों प्रभारी की नियुक्ति के बाद जश्न मनाया गया मंदाना निवासी श्री सूरज सिंह सिसोदिया को अकोदिया मंडल का प्रभारी नियुक्त होने के बाद उनके ग्रह ग्राम मदाना में खुशी की लहर दौड़ गई युवाओं ने आतिशबाजी कर खुशी मनाई एक दूसरे को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा किया।

खरगोन में बुद्ध पूर्णिमा पर भव्य आयोजन, झांकियों को मिला सम्मान

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अजा-अजजा व पिछड़ा वर्ग संयुक्त मोर्चा के तत्वावधान में बुद्ध पूर्णिमा का पर्व शहर में भव्यता और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समा बांध दिया। सुप्रसिद्ध गायकों ने सुमधुर गीतों से माहौल को संगीतमय बना दिया, वहीं एक नन्ही बालिका के मनमोहक नृत्य ने दर्शकों का दिल जीत लिया। रामेश्वर बड़ोले ने बताया कि 14 अप्रैल अम्बेडकर जयंती के चल समारोह में भाग लेने वाली आकर्षक चलित झांकियों को पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता में अम्बेडकर चौक इंद्रानगर ने प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए 31 हजार रुपए का पुरस्कार हासिल किया, जिसे कांग्रेस के पूर्व कृषि मंत्री एवं कसरावद विधायक सचिन यादव द्वारा प्रदान किया गया। जहां द्वितीय स्थान पर रहीमपुरा की झांकी रही, जिसे 21 हजार रुपए से डॉ. गोविंद मुजाल्दे ने सम्मानित किया। वहीं आनंद नगर को तृतीय स्थान के लिए 11,111 रुपए की राशि पी.के. रोकड़े द्वारा प्रदान की गई। इसके अलावा शेष झांकियों में अम्बेडकर ग्रुप के शंकर निहाले दिलीप पंचोली दयालपुरा-महम्मदपुर, कार्तिक देवले मित्रमंडल लोहारी तथा अजय भालसे मित्रमंडल को सांत्वना पुरस्कार स्वरूप 5,100 रुपए से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जनसेवा के उद्देश्य से लगाए गए सेवा स्टालों का भी विशेष सम्मान किया गया। विभिन्न टीमों को उत्कृष्ट सेवा के लिए शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के आयोजक बबलु आड़तिया, प्रदीप करौंदिया, नितेश आड़तिया, शंकर निहाले, दिलीप पंचोली अजय भालसे, हुकुम कोचले, ने बताया कि बुद्ध जयंती महोत्सव खरगोन शहर में पहली बार हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई और आगे भी निरंतर प्रतिवर्ष मानाई जाएंगी।

भाजपा गुलाना मंडल के नवनियुक्त प्रभारी नरेंद्र यादव का आज हेमंत जी मेवाड़ा के आफिस में किया स्वागत स्वागत

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष डॉ रवि पांडे द्वारा मंडल प्रभारी की घोषणा की गई जहां उक्त घोषणा में गोलाना मंडल प्रभारी के पद पर नरेंद्र यादव प्रभारी बनाया गया जहां उक्त घोषणा होने के पश्चात प्रथम बार शनिवार को गुलाना मंडल के सलसलाई नगर आगमन पर जगह-जगह जोरदार स्वागत सम्मान किया गया जहां साथ ही हेमंत जी मेवाड़ा के आफिस में भी स्वागत किया स्वागत कार्यक्रम के दौरान श्री यादव ने कहा कि जो पार्टी ने मुझे दायित्व दिया है कढ़ाई से पालन करूंगा जहां प्रत्येक कार्यकर्ताओं के साथ गोलाना मंडल उच्च स्तर तक पहुंचे ऐसा प्रयास करूंगा कि बात कही इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रकाश मेवाड़ा हेमंत मेवाड़ा बहादुर मेवाड़ा रूप सिंह परमार सरपंच चेतन ठाकुर जीवन परमार भुपेंद्र पाटीदार राजकुमार परमार रोशन मेवाड़ा चितामण मेवाड़ा आदि मौजूद रहा श्री यादव का काफिला अकोदिया के लिए रवाना हुआ।

अभाविप ने चलाया सकोरा अभियान

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान को देखते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मालवा प्रांत द्वारा पूरे मालवा प्रांत में सकोरा अभियान चलाया जा रहा है जिसके निम्मित आज उन्हेल नगर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने नगर में विभिन्न स्थानों पर लगाए सकोरे। इस अभियान का उद्देश्य गर्मी में प्यास से बेहाल पक्षियों को राहत पहुंचाना है। इस अवसर पर अभाविप नगर मंत्री यश धाकड़, प्रशांत मेहता, विशाल बैरागी, प्रशांत जाधव, कारण भट्ट उपस्थित रहे!

जीवनदायिनी बनी 108 एम्बुलेंस: सिरपोई के पास दो बाइकों की भिड़ंत

राजस्थान के दंपत्ति सहित तीन गंभीर घायल, प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तहसील सुसनेर के ग्राम सिरपोई के समीप शनिवार को दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में राजस्थान से नलखेड़ा जा रहे एक दंपत्ति और एक अन्य बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुँची 108 आपातकालीन सेवा ने घायलों को समय पर अस्पताल पहुँचाया, जो उनके लिए जीवनदायिनी साबित हुई।

आमने-सामने टकराईं तेज रफ्तार बाइकें- जानकारी के अनुसार, राजस्थान के ग्राम भूभाडा निवासी मोहन (50) अपनी पत्नी संतोष बाई (40) के साथ बाइक से नलखेड़ा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सिरपोई के पास सामने से मोडी की ओर आ रहे एक अन्य बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए और बाइक सवार सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में संतोष बाई और मोहन को सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं।

पैरामेडिकल स्टाफ ने एम्बुलेंस में ही दिया उपचार- घटना की सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुँची। एम्बुलेंस में तैनात पैरामेडिकल डॉक्टर शहजाद खान ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर ही घायलों का प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) शुरू किया और उन्हें तत्काल सुसनेर सिविल अस्पताल पहुँचाया। प्राथमिक जांच के बाद घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

कु. संघवी एवं कु. कर्नावट ने बढ़ाया शहर का गौरव

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। फातिमा कॉन्वेंट स्कूल में अध्ययनरत छात्राओं ने उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त कर विद्यालय, समाज एवं शहर का नाम गौरवान्वित किया है। कक्षा 10 की छात्रा कु. दर्शनाः रवि संघवी ने ICSE पाठ्यक्रम में 97% प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले मे प्रथम सर्वोच्च स्थान हासिल किया। वहीं कक्षा 12 की छात्रा कु. तनीशा राजा कर्नावट ने ICSE पाठ्यक्रम में 93-5% प्रतिशत अंक अर्जित कर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की।

दोनों छात्राओं की इस उपलब्धि पर दिनभर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। परिजनों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने उनकी मेहनत और लगन की सराहना की।

इस सफलता का श्रेय छात्राओं ने अपने माता-पिता, गुरुजनों एवं विद्यालय के शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने कहा कि निरंतर प्रयास, अनुशासन एवं शिक्षकों के सहयोग से ही वे इस मुकाम तक पहुंच सकीं।

विद्यालय प्रबंधन ने भी दोनों छात्राओं की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

इन्होने दी बधाईया - दर्शना संधवी एव तनीशा कर्नावट दारा उत्कृष्ट सफलता हासिल करने पर राजेश सकलेचा, शरद जैन, अमित बम, मनीष चपलोत, धर्मेन्द्र बम, दिपक गांग, राकेश ओरा, मनोज गांग, सन्तोष नाहटा , प्रकाश चपलोत ने इनके निवास स्थान पर पहुंचकर बधाई एव शुभकामनाए देकर उज्जवल भविष्य की कामना की।

सदावल पर चार हैलीपैड हो रहे तैयार... आवागमन होगा आसान

जून तक पूरा होगा परियोजना - महाकाल मंदिर के पास मिलेगा हवाई संपर्क -यातायात जाम और मार्ग बंदी से राहत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों ने अब गति पकड़ ली है और शहर का आधारभूत ढांचा तेजी से मजबूत किया जा रहा है। इसी क्रम में बड़नगर रोड स्थित सदावल में बन रहे चार नए हैलीपैड का कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। अधिकारियों का दावा है कि जून तक पूरी परियोजना तैयार हो जाएगी, जिसके बाद विशिष्ट अतिथियों के आवागमन के लिए हवाई सुविधा और मजबूत हो जाएगी।

करीब 13 करोड़ रुपये की लागत से बनाए जा रहे इन हैलीपैड में से तीन पूरी तरह तैयार हो चुके हैं, जबकि चौथे पर अंतिम कार्य जारी है। लगभग 1600 मीटर लंबी परिधि दीवार पहले ही बनाई जा चुकी है और यहां यात्रियों के लिए विश्राम कक्ष जैसी सुविधाएं भी विकसित की जा रही हैं।

मेला क्षेत्र के पास मिलेगी बड़ी राहत- अब तक शहर में केवल पुलिस लाइन में ही हैलीपैड उपलब्ध है, जो सिंहस्थ क्षेत्र और श्री महाकालेश्वर मंदिर से काफी दूर है। ऐसे में विशिष्ट अतिथियों के आवागमन के दौरान शहर के कई मार्गों को बंद करना पड़ता था। सदावल में नए हैलीपैड बनने से यह समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी। विशिष्ट अतिथि सीधे मेला क्षेत्र के पास उतर सकेंगे और कम समय में मंदिर या अन्य स्थानों तक पहुंच पाएंगे।

यातायात प्रबंधन होगा सरल- नए हैलीपैड का सबसे बड़ा लाभ यातायात व्यवस्था में सुधार के रूप में सामने आएगा। अब विशिष्ट अतिथियों के आवागमन के दौरान शहर में जाम की स्थिति नहीं बनेगी और आम लोगों को मार्ग बंद होने की परेशानी से राहत मिलेगी। साथ ही, पुलिस और प्रशासन को भी अतिरिक्त बल तैनात करने की आवश्यकता कम पड़ेगी, जिससे व्यवस्थाएं और अधिक सुचारु रहेंगी।

सिंहस्थ के बाद भी रहेगा उपयोग- यह हैलीपैड केवल सिंहस्थ 2028 तक सीमित नहीं रहेंगे। भविष्य में बड़े धार्मिक आयोजनों, पर्व-त्योहारों और विशिष्ट दौरों के दौरान भी इनका उपयोग किया जाएगा। कुल मिलाकर, सदावल के ये नए हैलीपैड उज्जैन के धार्मिक पर्यटन और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को नई मजबूती देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माने जा रहे हैं।

हाटकेश्वर विहार में आलोट के युवक की हत्या, अपराहन कर लाए थे उज्जैन, 3 युवकों से पूछताछ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आलोट से युवक का अपहरण होना शुक्रवार को सामने आया था जिसकी शनिवार को उज्जैन में एक मकान से लाश मिलना सामने आया है। मामला हत्या का होने पर आलोट और नीलगंगा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। नीलगंगा थाना प्रभारी तरुण कुरील ने बताया कि आलोट से दिनेश माली नामक युवक का अपहरण होने पर आलोट पुलिस उज्जैन पहुंची थी और बताया कि अपहरण करने वाले दिनेश को उज्जैन लेकर आए थे और हाटकेश्वर विहार कॉलोनी के एक मकान में उसकी हत्या कर दी गई है। अपहरण करने वालों को गिरफ्तार करने पर हत्या का खुलासा हुआ है। आलोट पुलिस की सूचना पर नीलगंगा थाना पुलिस की टीम हाटकेश्वर स्थित स्वर्गीय मेहरबान माली के मकान पर पहुंची जहां मकान का दरवाजा खोलने पर दिनेश की लाश पड़ी होना सामने आया। बताया जा रहा है कि स्वर्गीय मेहरबान मलिक पुत्र मयंक माली अपहरण में शामिल था उसने अपने दोस्तों के साथ मिलकर दिनेश का अपहरण किया और उज्जैन लाकर उसकी हत्या कर दी। थाना प्रभारी कुरील के अनुसार मामला आपसी पुरानी रंजिश का है आलोट पुलिस द्वारा अपहरण का प्रकरण दर्ज किया गया था। मृतक की लाश उज्जैन में मिलने पर रविवार सुबह पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

बदमाश रौनक गुर्जर ने पत्नी को पिस्टल दिखाकर धमकाया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुर्जर गैंग के कुख्यात बदमाश रोशन ने रात के समय पहली पत्नी के घर में घुसकर पिस्टल तानी और गुर्जर सरनेम हटाने के साथ शहर छोड़ने की धमकी दी। पुलिस ने पहली पत्नी की शिकायत पर बदमाश के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू की है। नीलगंगा थाना प्रभारी तरुण कुरील ने बताया कि दिनेश पेट्रोल पम्प दो तालाब के पास रहने वाले निकिता पति रोशन गुर्जर ने गुरुवार को शिकायत दर्ज कराई कि वह अंकुर स्कूल में शिक्षिका है। उसका एक 6 वर्षीय पुत्र वंश है। 3 जनवरी 2018 को रोशन गुर्जर से विवाह किया था। सालभर बाद पति रोशन गुर्जर अपराधिक मामले में जेल चला गया था, उस वक्त वह गर्भवती थी। वह रोशन के माता-पिता के साथ ढांचा भवन सांदीपनी नगर में रहती थी। कुछ महीनों बाद रोशन जेल से छूटकर आया तो उसने हीरामिल की चाल में रहने वाली दीपिका से दूसरा प्रेम विवाह कर लिया और उसे घर से निकाल दिया। लेकिन रोशन ने उससे तलाक नहीं लिया है। वह रोशन से अलग होकर दो तालाब के पास रह रही है। बुधवार-गुरूवार रात रोशन आया और दरवाजा खटखटाकर अंदर घुस गया। उसने पिस्टल तानी और कहा कि बेटे वंश के नाम से गुर्जर सरनेम हटा ले, यहीं उसने धमकाया कि अगर शहर छोड़कर नहीं गई तो बेटे को गोली मार दूंगा। धमकी देने के बाद रोशन गुर्जर चला गया। थाना प्रभारी के अनुसार निकिता की शिकायत पर मामले में प्रकरण दर्ज कर रोशन गुर्जर की तलाश शुरू की गई है। रोशन अब तक जेल में था, एक-डेढ़ माह पहले ही रिहा होकर आया है।

उन्हेल-नागदा मार्ग पर दुर्घटना में एक की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बीती रात उन्हेल नागदा मार्ग पर बाइक और ट्राले के बीच आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। बाइक पर दो युवक सवार थे एक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया दूसरा घायल था दोनों को उज्जैन चरक अस्पताल लाया गया। शनिवार सुबह मृतक का पोस्टमार्टम कराया गया है।

बताया जा रहा है कि उन्हेल रेलवे स्टेशन के पास रहने वाला धर्मेंद्र पिता पदम सिंह मीणा 30 साल अपनी मौसी के पुत्र और पुत्री की शादी होने पर राजस्थान गया था। जहां से रात में वह ट्रेन से नागदा लौटा था। उसने अपने दोस्त अंशुमन राठौर को नागदा स्टेशन पर लेने के लिए बुलाया। दोस्त अंशुमन बाइक से स्टेशन पहुंचा दोनों उन्हेल आ रहे थे इसी दौरान रास्ते में सामने से आ रहे ट्राले से उनकी भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में मौके पर ही धर्मेंद्र ने दम तोड़ दिया अंशुमन गंभीर घायल हुआ था दोनों को रात में चरक अस्पताल लाया गया। अंशुमान से पूछताछ के बाद दोनों के परिजनों को सूचना दी गई। रात में ही परिजन उज्जैन पहुंच गए थे सुबह मृतक धर्मेंद्र का पोस्टमार्टम कराया गया। परिजनों ने बताया कि धर्मेंद्र भी और विवाहित था और रेलवे में ठेकेदारी के अंतर्गत काम करता था। पुलिस के अनुसार दुर्घटना के बाद ट्राला जप्त कर लिया गया है चालक की तलाश की जा रही है।

समानांतर ब्रिज निर्माण की जद में आ रहे आधा दर्जन मकानों पर चली जेसीबी

बेगम बाग में स्टे हटते ही यूडीए की कार्रवाई, 16 में से बाकी मकान भी हटेंगे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। हरि फाटक ओवरब्रिज के समानांतर बन रहे नए ब्रिज की राह में आ रही अड़चनें अब एक-एक कर हटाई जा रही हैं। उज्जैन विकास प्राधिकरण ने बेगम बाग क्षेत्र में कोर्ट का स्टे हटते ही आज शनिवार सुबह सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। पहले चरण में 5 मकानों को गिरा दिया गया, जबकि कुल 16 मकानों को हटाने की योजना है। शेष मकानों पर अगले एक-दो दिन में बड़ी कार्रवाई तय मानी जा रही है।

विकास प्राधिकरण के सीईओ संदीप सोनी के अनुसार, जिन मकानों को हटाया जा रहा है, वे नए समानांतर ब्रिज के निर्माण में सीधी बाधा बन रहे थे। इन्हीं स्थानों पर ब्रिज के पिलर तैयार किए जाएंगे, जिससे भविष्य में वाहनों की आवाजाही सुगम हो सके। लंबे समय से अटकी परियोजना अब जमीन पर उतरती दिख रही है। कार्रवाई के दौरान प्रशासन पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरा। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में मकानों को हटाया गया, ताकि किसी तरह की अव्यवस्था न हो। अधिकारियों ने साफ किया कि जिन संपत्तियों पर कार्रवाई हुई है, उनकी लीज अवधि पहले ही समाप्त हो चुकी थी। नोटिस और समय देने के बावजूद जब कब्जा नहीं हटाया गया, तब मजबूरन बुलडोजर चलाना पड़ा। इस प्रोजेक्ट का महत्व सिर्फ एक ब्रिज तक सीमित नहीं है। हरि फाटक से लेकर महाकाल घाटी तक सिक्स लेन सड़क विकसित की जानी है, जिससे शहर के ट्रैफिक दबाव को कम किया जा सके और श्रद्धालुओं को भी राहत मिले। समानांतर ब्रिज बनने के बाद इस मार्ग की क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी। आज कार्रवाई में भूखण्ड क्रमांक 60 पर बने बशीरन बी, अब्दुल रफीक, मोहम्मद जिशान, अब्दुल गनी के मकान जद में आए। जबकि भूखण्ड क्रमांक 61 पर बिलकिस बानो और मोहम्मद शब्बीर के मकानों पर कार्रवाई की गई।

अवैध शराब के साथ हिरासत में आये पिता पुत्र

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बाइक सवार दो लोगों के पास अवैध शराब की सूचना मिलने पर पुलिस ने घेराबंदी की। दोनों को पकड़ा गया। बाइक सवार पिता पुत्र होना सामने आए जिनके पास से हजारों रुपए की शराब बरामद की गई है। नीलगंगा थाना प्रभारी तरुण कुरील ने बताया कि रात में सर्कल भ्रमण के दौरान बाइक सवार दो लोगों द्वारा अवैध शराब लेकर शहर की ओर आने की सूचना मिली थी। जिनकी घर पकड़ के लिए प्रधान आरक्षक कपिल राठौर और पीयूष मिश्रा के साथ आरक्षक पुष्पराज सिंह और कमल पटेल, अंकित चौहान को रवाना किया गया दाउद खेड़ी मार्ग विनायक विहार कॉलोनी के समीप से बाइक सवार दोनों लोगों को पकड़ा गया जिनके पास से विमल पाउच के झोले में भरे देशी शराब के क्वार्टर के साथ प्लास्टिक की केन में भरी कच्ची शराब बरामद हो गई। हजारों रुपए कीमत की शराब मिलने पर दोनों से पूछताछ की गई इस दौरान सामने आया कि सुदामा नगर के रहने वाले पिता पुत्र मुकेश पिता लक्ष्मण राय और अथर्व पिता मुकेश राय हैं। दोनों ने इंदौर से शराब लेकर आना बताया। फिलहाल दोनों के खिलाफ आबकारी एक्ट अधिनियम का प्रकरण दर्ज कर बाइक जप्त कर ली गई है। एक टीम अवैध शराब उपलब्ध कराने वाले की तलाश में इंदौर भेजी जा रही है।

50 दिवसीय योग दिवस काउंट डाउन का कार्यक्रम संपन्न, स्वास्थ्य ज्ञान व विश्व शांति के लिए है योग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग महोत्सव के दौरान आयुष मंत्रालय के दिशा निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से ठीक 50 दिन पूर्व 2 मई 2026 को एक विशेष 50 दिवसीय काउंट डाउन का कार्यक्रम का आयोजन जिला आयुष कार्यालय उज्जैन एवं वीतराग विज्ञान पाठशाला के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. मनीषा पाठक ने बताया कि योग सत्र का संचालन डॉ. जितेंद्र जैन आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी शासकीय आयुर्वेद औषधालय करोहन ने किया। सत्र में 200 से अधिक अभ्यर्थियों ने भाग लिया। इस वर्ष की थीम है स्वास्थ्य ज्ञान व विश्व शांति के लिए योग। डॉ. जितेंद्र जैन ने योग को वैश्विक कल्याण के लिए भारत का अमूल्य योगदान बताया जो शरीर मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। साथ ही योग को मिली वैश्विक मान्यता पर प्रकाश डाला और विभिन्न संस्कृतियों में इसके बढ़ते स्वीकार्य होने पर जोर दिया। इस अवसर पर पंडित अशोक शास्त्री मांगुलकर राधौगढ़ ने कहा कि एक स्वस्थ और विकसित भारत के निर्माण के विजन के साथ युवाओं के बीच तनाव ,प्रदूषण और निष्क्रिय जीवन शैली जैसी आधुनिक चुनौतियों से निपटने में योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। यदि हर व्यक्ति योग करें तो वह कभी अस्वस्थ नहीं हो सकता।

मप्र हाउसिंग बोर्ड की कमान संभालेंगे ओम जैन

सौभाग्यसिंह ठाकुर पाठ्यपुस्तक निगम और रमेशचंद्र शर्मा कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष नियुक्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में राजनीतिक नियुक्तियों का दौर शुरू हो गया है तेज हो गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सेवाभारती से जुड़े ओम जैन को मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड का अध्यक्ष बनाया है। इस पद को कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त रहेगा और जल्द ही आधिकारिक आदेश जारी होने की संभावना है।

इसके साथ ही मंगरोला निवासी सौभाग्यसिंह ठाकुर को मध्यप्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम और उज्जैन के कर्मचारी नेता रमेशचंद्र शर्मा को राज्य कर्मचारी कल्याण समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

एमएससी, एमए और बीएड डिग्रीधारी जैन ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से की। जैन ने शिक्षक रहते हुए भी संगठन में सक्रिय भूमिका निभाई। सेवाभारती के माध्यम से उन्होंने अनेक कार्य किए।

2004 से 2024 तक कई लोकसभा चुनावों में उन्होंने प्रभारी और संयोजक की जिम्मेदारी निभाई।

आम लोग भी खरीद सकेंगे हाउसिंग बोर्ड के मकान- नियुक्ति को लेकर ओम जैन ने कहा कि वे हाउसिंग बोर्ड को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी प्राथमिकता अफोर्डेबल हाउसिंग यानी कम कीमत पर आम लोगों को मकान उपलब्ध कराना होगी।

शिक्षा में संस्कार जोड़ेंगे- माध्यमिक शिक्षक रहे सौभाग्यसिंह ठाकुर पिछले 40 वर्षों से विद्या भारती से जुड़े हैं। उनकी देखरेख में चिंतामन रोड पर संगठन का बड़ा मुख्यालय बना।

उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप ऐसी पाठ्यपुस्तकें तैयार की जाएंगी, जिनमें शिक्षा के साथ संस्कार भी शामिल हों।

उज्जैन का बढ़ता राजनीतिक प्रभाव- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उज्जैन से होने का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। हाल ही में कई महत्वपूर्ण पदों पर उज्जैन से जुड़े नेताओं की नियुक्ति हुई है। इसमें उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. रवींद्र सोलंकी, पाठ्यपुस्तक निगम में सौभाग्यसिंह ठाकुर और कर्मचारी कल्याण समिति में रमेशचंद्र शर्मा की नियुक्ति शामिल है।

गुणवत्ता जांच की नियमित व्यवस्था और निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करें- अपर मुख्य सचिव डॉ. राजौरा

अपर मुख्य सचिव डॉ. राजौरा ने जल परियोजनाओं का निरीक्षण किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा ने शनिवार को हरियाखेड़ी जल आवर्धन परियोजना और सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना का निरीक्षण कर वहां प्रगतिरत कार्यों का अवलोकन किया और प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान संभागायुक्त श्री आशीष सिंह, डीआईजी श्री नवनीत भसीन ,कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजौरा ने सबसे पहले हरियाखेड़ी जल आवर्धन परियोजना का निरीक्षण कर कार्य की गती बढ़ाने और गुणवत्तापूर्ण निर्माण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

इसके पश्चात डॉ. राजौरा ने सेवरखेड़ी जलाशय का निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि सिंहस्थ 2028 के सफल आयोजन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण इस परियोजना में वर्तमान में 75% कार्य पूर्ण हो चुका है। निरीक्षण के दौरान एसीएस डॉ. राजौरा ने अर्थवर्क (मिट्टी भराई) एवं पिचिंग के कार्यों का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने निर्माण स्थल पर मिट्टी की गुणवत्ता की जांच की जानकारी ली तथा गुणवत्ता नियंत्रण के मैकेनिज्म के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। ए.सी.एस. डॉ. राजौरा ने नियमित गुणवत्ता जांच की व्यवस्था सुनिश्चित करने और निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री शुभम अग्रवाल ने जानकारी दी कि वर्तमान में सेवरखेड़ी जलाशय में अर्थवर्क एवं पिचिंग कार्य प्रगति पर हैं। सेवरखेड़ी

इस साल 4 माह में आधा इंच बारिश भी नहीं, 5 साल में अप्रैल रहा सबसे गर्म

-कल से अगले तीन-चार दिन हल्की बारिश की संभावना, ठंडी रहेगी मई की शुरुआत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। साल के सबसे गर्म महीने कहे जाने वाले मई की शुरुआत हो चुकी है, लेकिन पिछले अप्रैल महीने में गर्मी ने पिछले 5 सालों का रिकार्ड तोड़ दिया था और पारा 43 डिग्री तक चला गया था। वहीं इस वर्ष में अब तक केवल 10 मिमी बारिश दर्ज हुई है। जबकि पिछले साल इसके मुकाबले अधिक बारिश हुई थी। हालांकि इस बार भी अगले कुछ दिनों में हल्की बारिश की संभावना जताई जा रही है। यह बारिश गर्मी से तपते शहर को राहत देने के साथ ही गिरते भूजल स्तर को संभालने में भी मदद करती है।

वेधशाला से मिली जानकारी के मुताबिक उज्जैन में सबसे ज्यादा गर्मी पिछले 5 वर्षों में इस वर्ष अप्रैल के महीने में देखी गई। 25 अप्रैल को उज्जैन में पारा 43 डिग्री पर जा पहुंचा था, जो उज्जैन का बीते 5 वर्षों का सर्वाधिक तापमान है। मौसम विभाग के अनुसार मई माह में औसत अधिकतम तापमान 40.4 डिग्री सेल्सियस रहता है, वहीं औसत न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री तक जाता है। शहर में इस माह में अक्सर गर्म हवाएं लू की स्थिति भी बनाती हैं। इस माह में बारिश भी देखने को मिलती है। उज्जैन में मई माह की औसत वर्षा 13.4 मिलीमीटर है। मई में मौसम बदलने से कभी-कभी तापमान में काफी गिरावट भी देखने को मिलती है।

पिछले 5 सालों- में 2022, 2025 और 2026 रहे सबसे गर्म-

वेधशाला के अनुसार पिछले 5 सालों में 2022, 2025 और 2026 सबसे ज्यादा गर्म रहा है। 2022 में 9 अप्रैल को अधिकतम तापमान 42.2 डिग्री रिकार्ड हुआ जबकि पिछले साल 2025 में 18 अप्रैल को 42.8 डिग्री अधिकतम तापमान रहा। वहीं इस साल 25 अप्रैल को यह 43 डिग्री तक पहुंचा। वहीं 2023 में सबसे कम अधिकतम तापमान 40 डिग्री रिकार्ड किया गया था। पिछले 5 सालों में सबसे ज्यादा न्यूनतम तापमान 2021 में 24 अप्रैल की रात 23 डिग्री के रूप में दर्ज किया गया था।

कल भी 40.5 डिग्री पर रहा पारा- वेधशाला स्थित मौसम केंद्र के मुताबिक कल दिन का अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1.5 डिग्री और परसों की अपेक्षा 0.5 डिग्री अधिक था, वहीं रात से सुबह के बीच न्यूनतम तापमान आज सुबह 26 डिग्री रहा, जो सामान्य लेकिन कल की अपेक्षा 2 डिग्री अधिक था। इस दौरान हवाओं की दिशा पश्चिमी रही और अधिकतम रफ्तार 10 किलोमीटर प्रतिघंटे तक पहुंची। वेधशाला अधीक्षक के अनुसार कल से अगले कुछ दिन शहर में बादल छाने के साथ ही हल्की बारिश देखने को मिल सकती है। इससे तापमान में और गिरावट आने की संभावना है।

एक नजर पिछले 5 सालों के अप्रैल के मौसम पर-

वर्ष	अधि.	तारीख	न्यून.	तारीख
2021	42.0	29	23.0	24
2022	42.2	09	27.5	21
2023	40.0	18	25.0	26
2024	40.5	18	21.0	19
2025	42.8	18	27.0	29
2026	43.0	25	26.0	28

(जानकारी वेधशाला के अनुसार, तापमान डिग्री सेल्सियस में)

नवीन पेयजल की लाइन और ड्रेनेज की लाइन डाले जाने के दौरान शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों का पूर्ण रूप से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए- अपर मुख्य सचिव डॉ. राजौरा

अपर मुख्य सचिव डॉ. राजौरा की अध्यक्षता में उज्जैन संभाग में गेहूं उपार्जन एवं पेयजल प्रदाय की समीक्षा बैठक सम्पन्न

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार को अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा की अध्यक्षता में प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में संभागस्तरीय गेहूं उपार्जन 2026-27 तथा पेयजल प्रदाय व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में डॉ. राजौरा ने गेहूं उपार्जन (रबी विपणन वर्ष 2026-27) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार किसानों को 40 प्रति क्विंटल बोनस सहित कुल 2625 रुपए प्रति क्विंटल का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अपर मुख्य सचिव डॉ. राजौरा ने निर्देश दिया कि किसानों को भुगतान समय-सीमा में किया जाए, केंद्रों का सतत निरीक्षण हो तथा पूरी प्रक्रिया सुव्यवस्थित रहे। किसानों की सुविधा के लिए उपार्जन केंद्रों पर पेयजल, छांव और अन्य प्राथमिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। सभी संबंधित अधिकारी उपार्जन केंद्रों का सतत निरीक्षण कर उपार्जन की प्रक्रिया व्यवस्थित रूप से संचालित करें।

बैठक में जानकारी दी गई कि उज्जैन संभाग में कुल पंजीकृत किसान 4,62,641 है। कुल 637 उपार्जन केंद्र हैं। अब तक किसानों से कुल खरीदी 7,78,776 मीट्रिक टन की जा चुकी है। कुल 6,45,995 मीट्रिक टन (83%) का सफलतापूर्वक परिवहन किया जा चुका है। अभी तक 1,10,176 किसानों को 1137.32 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है।

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने बैठक में जानकारी दी कि उज्जैन जिले में कुल 198 खरीदी केंद्र हैं। अभी तक 2,74,800 मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी की जा चुकी है तथा 33,879 किसानों को 338.08 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है।

कार से आए बदमाशों ने तोड़ा था पार्षद के घर का ताला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला पार्षद के मकान में दिनदहाड़े लाखों की चोरी में कार से आये बदमाशों की तलाश की जा रही है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि दोपहर के समय एक कार घर के सामने खड़ी थी। पुलिस कार का पता लगाने के लिए कैमरों के फुटेज देख रही है

मक्सी रोड स्थित ग्राम माधोपुरा में वार्ड क्रमांक 40 की भाजपा पार्षद जानी बाई पति सतनारायण राठौर के मकान में ताला तोड़कर चोरी होने का मामला शाम 7:30 बजे के लगभग सामने आया था। पंवासा पुलिस जानकारी मिलने पर जांच के लिए पहुंच गई थी। घर का पूरा सामान बिखरा पड़ा था और अलमारियां खुली थी। बदमाशों का पता लगाने के लिए फिंगरप्रिंट टीम को बुलाया गया और सुराग तलाश में का काम शुरू किया गया। इस दौरान राठौर परिवार ने बताया कि जानी बाई के पिता की तबीयत खराब होने पर बॉम्बे हॉस्पिटल में भर्ती हैं। परिवार अस्पताल गया हुआ था जहां से देर शाम आने पर ताला टूटा मिला। परिवार ने बताया कि बदमाश घर में रखें 50 हजार रुपए नगद और सोने चांदी के आभूषण चुराकर ले गए हैं। पुलिस के अनुसार चोरी की वारदात दिनदहाड़े होना सामने आई है मकान माधोपुरा के आखिरी छोर पर बना हुआ है आसपास कैमरे भी नहीं लगे हैं। मुख्य मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरे देखने का प्रयास किया जा रहा है। संभावना है कि जल्द ही चोरी करने वालों का पता लगा लिया जाएगा।

शहर में बढ़ने लगा चोरी का ग्राफ- एक बार फिर शहर में चोरी की वारदात का ग्राफ बढ़ता दिखाई देने लगा है। उसे दिन पहले ही नीलगंगा थाना क्षेत्र की तिरुपति डायमंड कॉलोनी में इंदौर में पदस्थ इंजीनियर के मकान से स्कूटी पर सवार होकर आए दो बदमाशों ने दो लाख रुपए नगद और 30 लाख से अधिक के आभूषण चोरी कर लिए थे। यही नहीं दो दिन पहले चिमनगंज थाना क्षेत्र में कृषि उपज मंडी परिसर में बनी दो दुकानों में भी चोरी होना सामने आया था। इन दोनों शादी समारोह का आयोजन चल रहा है और लोग परिवार में शादी होने पर शहर से बाहर जा रहे हैं जिसके चलते कई मकान पर ताला लगा हुआ है किसी बात का फायदा बदमाश उठाकर चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। पिछले कुछ महीनो में नानाखेड़ा, कोतवाली, चिमनगंज और अन्य थाना क्षेत्र में चोरी की वारदातें हुई है लेकिन अब तक बदमाशों का पता नहीं चल पाया है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

MPIDC
MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.
इन्वेस्ट मध्यप्रदेश
अनंत संभावनाएं
प्रदेश की प्रगति का
स्वर्णिम पथ
उज्जैन-इंदौर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र की महत्वपूर्ण परियोजना
इंदौर-पीथमपुर
इकोनॉमिक कॉरिडोर
(प्रथम चरण)
भूमिपूजन
मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा
3 मई, 2026 | ग्राम नैनोद, इंदौर
लंबाई
20 कि.मी.
क्षेत्रफल
1300 हेक्टेयर
लागत
₹2360 करोड़
कनेक्टिविटी
NH-47 | NH-52
किसानों को उनकी भूमि का 60% विकसित भू-खण्ड लौटाने का ऐतिहासिक निर्णय
परियोजना के लाभ
राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय निवेश आकर्षण
पश्चिमी इंदौर के विकास को नई गति
भारी यातायात के दबाव से राहत
300+300 मीटर बफर ज़ोन
लॉजिस्टिक्स एवं मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी
रोज़गार के नये अवसरों का सृजन
सिंहस्थ 2028 के लिए महत्वपूर्ण ट्रैफिक मार्ग
विकास सेक्टर
IT / FinTech सिटी
अप्रदूषणकारी उद्योग
वाणिज्यिक क्षेत्र
आवासीय क्षेत्र
लॉजिस्टिक्स हब
नागरिक उपयोग
हरित बफर ज़ोन
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
D11014/26
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026